आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 27 अगस्त 2026 ■ श्रावण शुक्ल पक्ष-15 ■ वर्ष -42 ■ अंक-148 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 28 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

सुप्रीम कोर्ट ने पैक्ड फूड मामले में केंद्र सरकार को लगाई फटकार

लोगों की सेहत से कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली,27 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने पैक्ड फूड के पैकेट के सामने चेतावनी वाले लेबल लगाने के मामले में केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि लोगों की सेहत से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और विकसित देशों में अपनाए जाने वाले फूड-लेबलिंग स्टैंडर्ड्स को लागू करने में सरकार की हिचकिचाहट पर सवाल उठाए हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के विनोद चंद्रन की बेंच ने केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर फैसला लेने के लिए दो हफ़्ते का समय दिया है। साथ ही, यह भी साफ़ कर दिया है कि अगर सरकार खुद कोई कदम नहीं उठाती है, तो कोर्ट आगे और निर्देश जारी करने पर विचार करेगा। भारत में मोटापे को लेकर बढ़ती चिंताओं और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फ़ूड के तेज़ी से बढ़ते सेवन के बीच कोर्ट ने दखल दिया है।

सुनवाई के दौरान, जस्टिस पारदीवाला ने केंद्र के उस तर्क पर सवाल उठाया कि भारत फ़ूड लेबलिंग के अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन नहीं कर सकता। जज ने पूछा, क्या भारत को एक अविकसित देश ही बने रहना चाहिए?" उन्होंने कहा कि इस मामले को केंद्र सरकार के विचार के लिए रखा जा रहा है। अदालत ने यह भी कहा कि अगर सरकार खुद इस उपाय को लागू करती है तो "बहुत अच्छा है", वरना वह आगे के निर्देश जारी करेगी।

यह मामला NGO '3S' और 'आवर हेल्थ सोसाइटी' की ओर से दायर एक जनहित याचिका (PIL) से जुड़ा है। वकील राजीव शंकर द्विवेदी ने इस याचिका में मांग की है कि पैक्ड फूड पर अनिवार्य रूप से 'फ्रंट-ऑफ-पैक' चेतावनी लेबल लगाए जाएं, ताकि उनमें मौजूद चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की अधिक मात्रा को स्पष्ट रूप से दिखाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने पहले 'फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया' (FSSAI) द्वारा उठाए गए कदमों पर असंतोष जताया था और कहा था कि अब तक की कवायद से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। इसके बाद, इसने अधिकारियों से कहा कि वे पैक्ड फूड प्रोडक्ट्स के सामने वाले हिस्से पर सीधे चेतावनी छापने पर विचार करें। कोर्ट ने फूड सेफ्टी और न्यूट्रिशन को संविधान के आर्टिकल 21 के तहत स्वास्थ्य के अधिकार और जीवन के अधिकार से जोड़ा है। कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि ज़्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले खाने से सेहत को खतरा हो सकता है और बेहतर विकल्प चुनने के लिए ग्राहकों को साफ़ जानकारी की ज़रूरत है। खासकर बच्चों में मोटापा बढ़ने के कारण यह मुद्दा और भी ज़रूरी हो गया है। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में मोटापे को सेहत से जुड़ी एक बड़ी चुनौती बताया गया है और इसके लिए खराब खान-पान, सुस्त जीवनशैली और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का ज़्यादा सेवन ज़िम्मेदार माना गया है।

कार की पिकअप से टक्कर,बाल-बाल बचे जिपं अध्यक्ष

गरियाबंद,27 अगस्त। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नेशनल हाईवे-130 सी पर गुरुवार सुबह सड़क हादसा हो गया। हादसे में जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप बाल-बाल बच गए। वे अपनी इनोवा कार से निजी निवास से राजधानी की ओर जा रहे थे, तभी राजापड़ाव के पहले हाईवे के मोड़ पर सामने से आ रही पिकअप ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इनोवा वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि हादसे में जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। जानकारी के मुताबिक हादसा जुगाड़ और मैनपुर थाना क्षेत्र के बीच हुआ। राजापड़ाव के पहले हाईवे के एक मोड़ पर गरियाबंद की ओर से आ रही पिकअप सामने से जिला पंचायत अध्यक्ष की इनोवा से जा भिड़ी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मंच में चैतन्य को आगे कर बघेल बोले- 'अमित शाह ने बना दिया नेता'

पाटन,27 अगस्त। पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन विधायक भूपेश बघेल के जन्मदिन पर बीते रविवार को पाटन आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति और आने वाली पीढ़ी के नेतृत्व को लेकर कई राजनीतिक संकेत देखने को मिले। हजारों की मौजूदगी में आयोजित समारोह में बघेल ने जिस तरह अपने बेटे चैतन्य बघेल को मंच पर खड़ा कर उनका परिचय कराया और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर राजनीतिक तंज कसा। उन्होंने कहा कि मैंने तो चैतन्य को नेता नहीं बनाया, लेकिन अमित शाह ने इसे नेता बना दिया है। भूपेश बघेल का यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

प्रधानमंत्री ने एथलीटों से की ओलंपिक में भागीदारी बढ़ाने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से 'खेलो इंडिया डायलॉग – खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ' के तहत देश भर के युवा एथलीटों को संबोधित किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने एथलीटों से ओलंपिक में अपनी भागीदारी बढ़ाने की अपील की। पीएम ने कहा कि देश को 2036 ओलंपिक की तैयारियों के तहत उन खेलों में एथलीट तैयार करने चाहिए जिनमें पारंपरिक रूप से हमारा प्रतिनिधित्व बहुत कम या बिल्कुल नहीं रहा है।

गाड़ी से उतरते ही महापौर की कार में आग

■ तरुण छत्तीसगढ़

दुर्ग,27 अगस्त। नगर निगम कार्यालय परिसर में आज तब हड़कंप मच गया, जब महापौर अलका बाघमार की शासकीय इनोवा कार क्रमांक सीजी 07 डीई 2417 में अचानक भीषण आग लग गई यह हादसा निगम कार्यालय स्थित महापौर कक्ष के ठीक बाहर पार्किंग क्षेत्र में हुआ. राहत की बात यह रही कि घटना के समय कार में कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया.जानकारी के अनुसार, महापौर अलका बाघमार अपने स्टील कॉलोनी स्थित निवास से शासकीय इनोवा कार से दुर्ग निगम कार्यालय पहुंची थीं कार को निर्धारित स्थान पर पार्क करने के बाद वे अपने कक्ष में चली गईं .इसके लगभग 15 से 20 मिनट बाद कर्मचारियों ने कार से उठते धुएं को देखा और तुरंत इसकी सूचना महापौर को दी। जब तक लोग मौके पर पहुंचते, कार के अगले हिस्से ने भीषण आग पकड़ ली और वाहन धू-धूकर जलने लगा.घटना की सूचना तत्काल अग्निशमन विभाग को दी गई.अग्निशमन की टीम ने मौके पर पहुंचकर तुरंत पानी का छिड़काव शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 20 मिनट में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया. हालांकि, तब तक इनोवा कार बुरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो चुकी थी बताया जा रहा है कि हाल ही में चूहों द्वारा अंदरूनी तारों (वायरिंग) को काट देने के कारण कार को मरम्मत के लिए वर्कशॉप भेजा गया था। हादसे के बाद महापौर अलका बाघमार ने किसी भी प्रकार की साजिश की आशंका से इनकार करते हुए कहा कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। उन्होंने बताया कि निवास से कार्यालय आने के दौरान गाड़ी में किसी भी तरह की तकनीकी गड़बड़ी या असामान्य बात महसूस नहीं हुई थी

मिसकैरेज का अवकाश मातृत्व अवकाश में नहीं होगा समायोजित

महिला कर्मचारी को लाभ से वंचित नहीं कर सकता विभाग

बिलासपुर, 27 अगस्त। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने महिला कर्मचारियों के मातृत्व अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मिसकैरेज के दौरान लिया गया अवकाश बाद में हुई गर्भावस्था के मातृत्व अवकाश में समायोजित नहीं किया जा सकता। लीव बैलेंस कम होने के आधार पर महिला कर्मचारी को मातृत्व लाभ से वंचित करना उचित नहीं है। डिवीजन बेंच ने फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) की अपील खारिज करते हुए सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा। सिंगल बेंच ने महिला कर्मचारी को मिसकैरेज और मातृत्व से संबंधित कुल 90 दिन के अवकाश का लाभ देने का निर्देश दिया था। साथ ही वेतन से की गई 80 हजार 254 रुपये की कटौती को रद्द कर राशि का भुगतान करने का आदेश दिया था। मामला एफसीआई के रायपुर जिला कार्यालय में असिस्टेंट ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत किरण गौतम शर्मा से जुड़ा है। वर्ष 2019 में गर्भवती होने के दौरान 25 अप्रैल को मेडिकल जटिलता के कारण एक भ्रूण का मिसकैरेज हो गया। दूसरे भ्रूण की गर्भावस्था को डॉक्टरों ने हाई रिस्क बताते हुए लंबे समय तक बेड रेस्ट की सलाह दी।

नेपाल में लापता भारतीयों में ज्यादातर मानसरोवर यात्री

काठमांडू,27 अगस्त। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बीच करीब 500 विदेशी नागरिक लापता हैं, जिनमें लगभग 300 भारतीय शामिल हैं। विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि प्रभावित इलाके से होकर विदेशी नागरिक मानसरोवर यात्रा के लिए जाते हैं। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि इस आपदा में अब तक कम से कम 162 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग अब भी लापता हैं। इनमें बड़ी संख्या में भारतीय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कई परिवारों ने अपने घर खो दिए हैं और सरकार अभी आपदा के पूरे असर का आकलन कर रही है। इस आपदा के बीच बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। नेपाल के विदेश मंत्री खनाल के मुताबिक, करीब 300 भारतीय नागरिकों के लापता होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि प्रभावित इलाके से होकर विदेशी नागरिक मानसरोवर यात्रा के लिए जाते हैं और लापता भारतीयों में ज्यादातर मानसरोवर यात्री हैं।

सफल नहीं होगी आदिवासी समाज को भड़काने की कोशिश: केदार

रायपुर,27 अगस्त। यूसीसी को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के रूख पर पर मंत्री केदार कश्यप ने निशाना साधा है. उन्होंने कहा है कि जहां राष्ट्रीयता और समाजहित की बात आती है, वहां कांग्रेस विरोध करने लगती है. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि आदिवासी समाज को यूसीसी से दूर रखा जाएगा. आदिवासी समाज को भड़काने की जो कोशिश हो रही है, वह सफल नहीं होगी. मंत्री केदार कश्यप ने मीडिया से चर्चा में बस्तर से आदिवासियों के साथ आंदोलन करने की कांग्रेस की तैयारी पर कहा कि कांग्रेस को पहले आत्मावलोकन करना चाहिए. कांग्रेस के राजकुमार जब भी यहां आए, उन्होंने कुछ नहीं किया. राहुल गांधी ने 2008 और फिर 2019 में बड़ी-बड़ी बातें कीं, लेकिन पीएम आवास योजना छीन ली, और लोगों की छत छीनने का काम किया. हमारी सरकार की चरण पादुका योजना भी बंद कर दी गई. आज बस्तर नक्सलमुक्त हो रहा है तो कांग्रेस को यह रास नहीं आ रहा है. वहीं 29 सीटों पर कांग्रेस के फोकस को लेकर मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता ही ऐसी है. उनकी योजनाओं और राजनीति का प्रदेश के विकास से कोई सरोकार नहीं है. आदिवासियों के मन में पीड़ा पैदा करने और उन्हें भड़काने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यह सफल नहीं होगी. पहले भी पीसीसी चीफ ने आदिवासियों को बुलाया था बकरा भात खाने के लिए और सुअर भात खिलाकर उन्हें भेज दिया था.महतारी वंदन योजना में डेढ़ लाख महिलाओं के नाम कटने पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के लोग पहले 500 रुपए देने की बात करते थे, जबकि हमारी सरकार ने मातृशक्ति को राखी से पहले ही राशि दी, तो कांग्रेस को तकलीफ हो रही है. यह मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता है. तकनीकी समस्या है तो उसे जल्द सॉल्व कर लिया जाएगा, लेकिन कांग्रेस की मानसिकता नहीं सुधारी जा सकती. कंप्यूटर की खराबी सुधारी जा सकती है, लेकिन इनके दिमाग की खराबी का इलाज मुश्किल है.कर्नाटक में वंदेमातरम का दो अंतरा ही गाने की घोषणा पर केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता साफ दिखती है, उनके नेताओं ने तुष्टीकरण की राजनीति के कारण वंदे मातरम नहीं गाने का फैसला लिया था, और वही नीति आज भी चली आ रही है. वहीं यूथ कांग्रेस के चुनाव में खर्च को लेकर कहा कि कांग्रेस में पार्षद और विधायक के टिकट के लिए पैसों का लेन-देन होता है, उसी के आधार पर पद बांटे जाते हैं, और अब संगठन के पदों की भी बोली लग रही है. वन विभाग में वन रक्षकों की भर्ती को लेकर वन मंत्री ने कहा कि लिखित परीक्षा व्यापम के माध्यम से कराने की तैयारी चल रही है. अपडेट के अनुसार दिसंबर 2026 तक परीक्षा आयोजित होने की संभावना है, जिसमें करीब 16 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे, इसके बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

नए स्कूल भवन की मांग को लेकर प्रदर्शन

पालकों ने स्कूल में की तालाबंदी तो बच्चों ने गेट के बाहर की पढ़ाई

बालोद,27 अगस्त। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के गोटूलमुंडाव गांव में प्राथमिक और माध्यमिक शाला के नए भवन की मांग को लेकर पालकों का आक्रोश सामने आया है। गुरुवार को उन्होंने स्कूल में तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान बच्चे गेट के सामने ही पढ़ाई करते नजर आए। दरअसल, प्राथमिक शाला और माध्यमिक शाला में कुल 41 बच्चे अध्ययनरत हैं। पालको का आरोप है कि स्कूल भवनों की स्थिति लंबे समय से खराब है, जिसके चलते बच्चों को अतिरिक्त कमरों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। बताया जा रहा है कि करीब तीन साल पहले माध्यमिक शाला भवन की छत को नए सिरे से बनाने के लिए तोड़ा गया था, लेकिन अब तक भवन का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। वहीं प्राथमिक शाला का भवन भी जर्जर हालत में है। स्कूल भवन की समस्या से नाराज पालको ने नए भवन के निर्माण की मांग को लेकर स्कूल में तालाबंदी कर दी। प्रदर्शन के दौरान बच्चे स्कूल गेट के सामने ही बैठकर पढ़ाई करते नजर आए। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस टीम और तहसीलदार भी पहुंचे।

एयरक्राफ्ट खेत में गिरा 2 पायलटों की मौत

कानपुर,28 अगस्त। उत्तर प्रदेश के कानपुर के गंगा बैराज क्षेत्र से बड़ी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक, ट्रेनिंग विमान/एयरक्राफ्ट हादसे का शिकार क्रैश हो गया। हादसे में दोनों ट्रेनी पायलेट की मौत हो गई है। मौके पर राहत-बचाव कार्य जारी है। पुलिस की टीमे मौके पर हैं। पुलिस कमिश्नर ने दो मौतों की पुष्टि की है। कमिश्नर रघुवीर लाल ने बताया कि दोनों पायलटों की पहचान हो गई है। मिल रही जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबह करीब 11:20 बजे कानपुर कैंट क्षेत्र से उड़ान भरी थी।

पुरुष विश्वकप हाकी प्रतियोगिता 2026: हौसला बढ़ाने की जरुरत

भारतीय हॉकी टीम लौटेगी बेहतर वरीयता के साथ

जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर, रायपुर, छ ग .

बहुत से पाठक यकीन नहीं करेंगे लेकिन यह सत्य है कि जिस तरह आज शहर, कस्बा हो या गांव के मैदान, यहां तक सूखे खेतों में अधिकांश भारत को क्रिकेट खेलते हुए देखा जा रहा है, ठीक

उसी तरह एक समय भारत में किसी भी खाली मैदान पर नजर डालने से सभी आयु वर्ग के लोग फुटबाल,व्हालीबाल, हाकी या फिर परंपरागत खेल जैसे पिट्ठूल, बांटी ,भौंरा, बिल्लस, चौरस, मलखंभ आदि खेलते हुए नजर आया करते थे। 1928 से 1956 तक लगातार छह बार आधुनिक ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में हाकी का स्वर्ण पदक भारत ने जीता था। फिर 1964,1980 में यही करिश्मा दोहराया। 1960 में रजत और 1968,1972,2020,2024 में चार बार कांस्य पदक जीता। भारत को हाकी में पहली बार ओलंपिक 1976 में कोई पदक नहीं मिला। एशियाई खेलों में 1966,1998,2014,2022 में भारत ने चार बार स्वर्ण पदक जीता। कुल मिलाकर भारतीय खेल इतिहास में हाकी विश्व स्तरीय पहचान बनाने में सफल हुआ था। विश्वकप हाकी की शुरूवात 1971 से हुई जिसमें 1971,1973,1975 में भारत ने क्रमशः कांस्य, रजत व स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। भारत के रायपुर शहर में 2014-15 में संपन्न वर्ल्ड हाकी लीग स्पर्धा में भारत ने कांस्य पदक जीता था। वस्तुतः 1971 के पश्चात से विश्व हाकी फेडरेशन में एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व कम होता चला गया और यूरोप व अन्य महाद्वीपों के चुने हुए प्रतिनिधियों ने हाकी खेल के नियम में लगातार परिवर्तन किए इससे हाकी तेज तो हो गया लेकिन एशियाई शैली जैसे जैसे छोटे-छोटे पास, ड्रिब्लिंग, ऑफ साइड आदि के नियम बदलते चले गये। स्थिति इतनी बदली कि 1976 में हाकी को घास वाली मैदान में खेलना अनिवार्य कर दिया। इसी वजह से 1976 के ओलंपिक खेलों में कृत्रिम घास के मैदान पर हाकी खेला गया तो हमारे खिलाड़ी चारों खाने चित्त हो गये और भारत के हाथ से 1928 के बाद पहली बार पदक फिसल गया। धीरे-धीरे भारत में कृत्रिम घास का मैदान बनने लगा। फिर गाड़ी पटरी पर आई और 2014 के बाद हाकी में भारत ने अपनी पुरानी ख्याति प्राप्त करना शुरू किया। 2014 में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक,2015 में वर्ल्ड हाकी लीग में कांस्य, 2020, 2024 में दो लगातार ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर भारत एक दमदार टीम के रूप में उभरा है। 2026 में विश्वकप में उतरने पहले भारतीय पुरुष टीम को नौवी वरीयता प्राप्त थी, उस दृष्टि से 2026 में वह बेल्जियम के विरूद्ध 28 अगस्त को सातवे या आठवें स्थान के लिए मैच खेलेगी। अभी अंतिम परिणाम आना बाकी लेकिन ठीक उसके पहले हमारे देश के अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ी जगबीर सिंह, पी.आर. श्रीनेत्र, वासुदेवन भास्करन, परगट सिंह आदि ने भारतीय टीम के 2026 विश्वकप में प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं तथा कमजोरियों की ओर अवगत कराया है। फिलहाल भारतीय टीम ने जो प्रदर्शन किया है यह निश्चित है कि उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा के अनुकूल प्रदर्शन किया है बल्कि उससे भी बेहतर क्योंकि भारत की विश्व रेंकिंग अब वर्तमान 9 से ऊपर ही जायेगी। फिर इतना हो हल्ला क्यों? अगर कोई टीका टिप्पणी करना ही है वे उसे सार्वजनिक रूप से मीडिया के माध्यम से न करके अपने सुझाव हाकी इंडिया को भी सकते थे. संभव है अपने आपको शायद वर्तमान चयनकर्ताओं से अच्छा या वर्तमान कोच, सहयोगी सदस्यों से अच्छा साबित करने के फेर में उभरते हुए हाकी खिलाड़ियों को,हॉकी प्रेमियों को निराशा में डुबाने का प्रयास कर रहे हैं। भास्करन ने 1980 में भारत के लिए मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था जब ओलंपिक खेलों में बहिष्कार की छाया थी। किसी प्रतिष्ठित टीम ने इसमें भाग नहीं लिया था .जगबीर सिंह 1985 से 1996 तक भारतीय टीम के सदस्य थे विश्वकप, ओलंपिक खेलों में कुछ भी नहीं कर सके सिवाय 1986,1990 के एशियाई खेलों में क्रमशः कांस्य व रजत पदक जीतने के अलावा.जगबीर अभी बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं परंतु जब वे भारतीय टीम के कोच थे तब 2004 एथेंस ओलंपिक में भारतीय टीम सातवें स्थान पर थी। इसी तरह परगट सिंह 1992-1996 ओलंपिक खेलों में भारतीय हाकी टीम के लगातार दो बार कप्तान थे तब भारत क्रमशः 8 वें व 7 वें स्थान पर आया। इसी तरह श्रीजेश ने भारत को दो कांस्य पदक ओलंपिक में, दो स्वर्ण एशियाड 2014,2022 में दिलाये। अतः भारत के पूर्व खिलाड़ियों को प्रतिक्रिया देते समय देखना चाहिए उन्होंने अपने जमाने में भारत को क्या दिया? फिलहाल भारतीय हाकी टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है परिणाम भविष्य में सुखद व सकारात्मक ही आयेगा।हमारे खिलाड़ी भारत का नाम रोशन करने के लिए कोचिंग कैंप में पसीना बहा रहे हैं. अपनी जवानी को दाव पर लगा दिया है. थोड़ा सब्र कीजिए परिणाम बेहतर होंगे .

सेफ्टी वॉरियर्स की बैठक में जोखिमों की पहचान और निराकरण की दी जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर के सभागार में सेफ्टी वॉरियर्स की परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती पुष्पा एंब्रोस ने कहा कि सेफ्टी वॉरियर्स कार्यस्थलों पर जोखिमों की पहचान कर उनके समयबद्ध निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शून्य प्राणांतक दुर्घटना लक्ष्य की दिशा में निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में सेफ्टी वॉरियर्स ने अपने अनुभव, सुरक्षा संबंधी ऑब्जर्वेशन एवं सुझाव साझा किए।

सड़क सुरक्षा, सेफ्टी सर्कल और सी-राउंड जैसी गतिविधियों में उनकी सक्रिय सहभागिता तथा सेल स्तर पर मिले सम्मान का भी उल्लेख किया गया। आगामी दिनों में सुरक्षा जागरूकता, जोखिम पहचान और सुरक्षित कार्य व्यवहार को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक अखिल मिश्रा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सेफ्टी वॉरियर्स लीडर अनिल मिश्रा ने किया।

एक नजर

धार्मिक स्थलों पर स्वैच्छिक घोषणापत्र की व्यवस्था लागू करने की मांग

भिलाई, 27 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महाराष्ट्र में धार्मिक परिवर्तन संबंधी कानून के संदर्भ में

सामने आ रही प्रक्रियाओं को देखते हुए सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों पर समान, पारदर्शी और स्वैच्छिक 'धार्मिक घोषणा-पत्र' की व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई गई है। मसीह दल फाउंडेशन ऑफइंडिया के पास्टर वेलफेयर बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिशप डॉ. अजय पॉल ने बताया कि प्रस्ताव के अनुसार, व्यक्ति अपनी धार्मिक आस्था या धर्म परिवर्तन संबंधी निर्णय की घोषणा बिना किसी दबाव, भय, प्रलोभन या अनुचित प्रभाव के स्वतंत्र रूप से कर सके। घोषणा-पत्र में उसकी स्वेच्छा, धार्मिक गतिविधियों में स्वतंत्र भागीदारी तथा कानून एवं अधिकारों की जानकारी से संबंधित बिंदु शामिल किए जा सकते हैं। मांग की गई है कि यह व्यवस्था किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित न रहकर मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, बौद्ध विहार, जैन मंदिर सहित सभी धार्मिक संस्थानों पर समान रूप से लागू हो। साथ ही व्यक्ति की निजी जानकारी की गोपनीयता और धार्मिक स्वतंत्रता का पूरा सम्मान किया जाए। केंद्र एवं राज्य सरकारों, विधि विशेषज्ञों, धार्मिक नेताओं और नागरिक समाज से इस विषय पर सर्वधर्म संवाद आयोजित कर ऐसी व्यवस्था बनाने का आग्रह किया गया है, जो धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के साथ जबरदस्ती या धोखाधड़ीपूर्ण धार्मिक परिवर्तन पर भी प्रभावी रोक सुनिश्चित कर सके।

देशी कट्टा लहराकर लोगों को धमकाने के मामले में युवक गिरफ्तार

भिलाई, 27 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई 25 अगस्त को थाना खुर्सीपार क्षेत्र के उड़िया बस्ती लक्ष्मी नारायण वार्ड में एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर देशी कट्टा बंदूक लहराकर स्वयं को क्षेत्र का दबंग बताते हुए आने-जाने वाले लोगों को धमकाने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी उत्तम उर्फपुरुषोत्तम सोना (38) निवासी खुर्सीपार को पकड़ा उसके कब्जे से 12 बोर की 01 देशी कट्टा बंदूक एवं 01 जिंदा कारतूस बरामद की इस सराहनीय कार्य के लिए एसएसपी विजय अग्रवाल ने निरीक्षक लक्ष्मण कंवर, थाना प्रभारी खुर्सीपार को 300 नगद पुरस्कार, सउनि तुलसीराम बिंझेकर को 200, प्रधान आरक्षक राम नारायण यदु को 150, आरक्षक चुमक सिन्हा को 150, आरक्षक शैलेश यादव को 150 और आरक्षक राजकुमार दलई को 150 रुपये नगद पुरस्कार से सम्मानित किया है।

फैक्ट्री की दीवार फांदकर कॉपर केबल, वेल्डिंग मशीन व कॉपर पट्टी चुनाने वाले गिरफ्तार

भिलाई, 27 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई खुर्सीपार टीआई लक्ष्मण केवट ने बताया प्रार्थी विक्रांत अग्रवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि रात्रि लगभग 12.50 बजे के बाद अज्ञात व्यक्ति फैक्ट्री की दीवार फांदकर अंदर प्रवेश कर कॉपर पट्टी, वेल्डिंग मशीन की कॉपर केबल, कॉन्टेक्टर की कॉपर केबल सहित अन्य सामग्री, कुल कीमत लगभग 90 हजार चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर मामले में धारा 305(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में जानकारी एकत्र कर उन्हें थाना लाकर पूछताछ की पूछताछ के दौरान आरोपियों पवन राजभर (22) निवासी बालाजी नगर, खुर्सीपार, बिराज निर्मलकर (19) निवासी नंदईया पारा खुर्सीपार व पांच नाबालिग घटना में संलिप्तता स्वीकार किए जाने पर उनकी निशानदेही एवं कब्जे से चोरी की गई कॉपर पट्टी, वेल्डिंग मशीन एवं कॉन्टेक्टर की कॉपर केबल बरामद की है।

गदा चौक फ्लाईओवर का विरोध

सांसद विजय बघेल से नागरिकों ने की पुनः समीक्षा की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। सुपेला चौक से गदा चौक तक प्रस्तावित लगभग एक किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण को लेकर क्षेत्र के व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने विरोध जताया है। गणेश मार्केट, सुपेला व्यापारी संघ तथा होलसेल होजरी रेडीमेड एंड क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल के सेक्टर-5 स्थित निज निवास कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

व्यापारियों ने फ्लाईओवर निर्माण को तत्काल स्थगित कर इसकी उपयोगिता और जनहित के दृष्टिकोण से पुनः समीक्षा कराने की मांग की। सांसद विजय बघेल ने व्यापारियों की समस्याएं सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों से इस मामले में पुनर्विचार करने को कहा। व्यापारियों का कहना है कि सुपेला चौक से गदा चौक तक का मार्ग भिलाई का प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में दुकानें संचालित हैं और मार्ग की चौड़ाई लगभग 100 से 150 फीट है। व्यापारियों के अनुसार वर्तमान में यहां आवागमन को लेकर ऐसी गंभीर समस्या नहीं है, जिसके समाधान के लिए फ्लाईओवर आवश्यक हो। उनका कहना है कि फ्लाईओवर बनने के बाद सर्विस रोड, चौराहों और आसपास के बाजारों में यातायात एवं पार्किंग की समस्या बढ़ सकती है।

व्यापारी संगठनों ने निर्माण कार्य के दौरान लंबे समय तक यातायात बाधित होने, धूल, दुर्घटना के जोखिम तथा व्यापार प्रभावित होने की आशंका भी जताई। उन्होंने कहा कि निर्माण से सड़क किनारे संचालित व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है, जिससे स्थानीय व्यापार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने मांग की कि फ्लाईओवर निर्माण से पहले स्वतंत्र तकनीकी एवं वैज्ञानिक ट्रैफिक सर्वे कराया जाए। साथ ही सर्वे रिपोर्ट, परियोजना की डीपीआर, लागत, तकनीकी स्वीकृति तथा वैकल्पिक यातायात व्यवस्था से संबंधित जानकारी सार्वजनिक की जाए।

व्यापारियों ने प्रभावित दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों के साथ खुली एवं पारदर्शी जनसुनवाई कराने की भी मांग की। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र में बेहतर सड़क और सुगम यातायात व्यवस्था आवश्यक है, लेकिन विकास कार्य स्थानीय व्यापार, जनहित और भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए। व्यापारियों के अनुसार प्रस्तावित फ्लाईओवर से करीब 500 व्यापारियों के हित प्रभावित हो सकते हैं।

सड़कों पर मवेशियों और बैनर-पोस्टरों से हादसे का खतरा

भिलाई, 27 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शिवसेना के दुर्ग-भिलाई संयुक्त जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शहर की सड़कों और नेशनल हाईवे पर बढ़ते आवारा मवेशियों तथा बेतरतीब लगे बैनर-पोस्टरों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कोसा नगर, सुपेला, पावर हाउस, खुर्सीपार, भिलाई-3, चरोदा, कुम्हारी, खारुन नदी क्षेत्र सहित नेशनल हाईवे पर मवेशियों के झुंड सड़क पर बैठे रहते हैं। तेज गति से चलने वाले वाहनों के बीच इनसे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह पूर्व भाजपा के एक नेता की कार भी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। गुप्ता ने आरोप लगाया कि हाईवे, फ्लाईओवर, डिवाइडर और स्ट्रीट लाइट के पोल पर लगे बड़े-बड़े बैनर-पोस्टर यातायात सुरक्षा संकेतकों, रेडियम और रिफ्लेक्टर को ढंक रहे हैं। कई पोस्टर टूटकर सड़क की ओर लटक रहे हैं, जिससे वाहन चालकों को सामने से आने वाले वाहनों को देखने में परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से सड़कों से मवेशियों को हटाने, अवैध बैनर-पोस्टर तत्काल हटाने तथा यातायात सुरक्षा संकेतकों को सुरक्षित रखने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी गंभीर दुर्घटना के बाद बड़ी जनहानि हो सकती है।

तुलसीदास जयंती पर शर्मा ने जिला पुस्तकालय को भेंट कीं आठ पुस्तकें

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। विश्वकवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के अवसर पर संस्कृताचार्य एवं पूर्व प्राचार्य आचार्य महेश चन्द्र शर्मा ने जिला पुस्तकालय स्थित राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त वाचनालय, दुर्ग को अपनी आठ पुस्तकें भेंट कीं।

उन्होंने ग्रंथपाल श्रीमती राजेश्वरी राणे एवं पुस्तकालय स्टाफसे संवाद करते हुए साहित्य और संस्कृति के संरक्षण में पुस्तकों के महत्व पर अपने विचार रखे। आचार्य डॉ. शर्मा ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास संस्कृत के उद्भट विद्वान एवं महान कवि थे। उनके काव्य में संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं का गहरा प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उनकी विश्वव्यापी प्रसिद्धि के पीछे संस्कृत साहित्य और भारतीय सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डॉ. शर्मा द्वारा भेंट की गई पुस्तकों में धर्म और राजनीति, संस्कृत वाड्मय और आधुनिक अवधारणाओं का तुलनात्मक अध्ययन, बुद्धघोषाचार्य प्रणीत सिद्धार्थ चरित का सांस्कृतिक अध्ययन, छत्तीसगढ़ में संस्कृत, सटीक शुकनासोपदेश, गागर में सागर, साहित्य और समाज, संस्कृति के चार सोपान तथा प्रेरणा प्रदीप प्रमुख हैं।

जिला ग्रंथालय-वाचनालय दुर्ग की पुस्तकालय अध्यक्ष श्रीमती राजेश्वरी राणे ने बताया कि पुस्तकालय में लगभग 44 हजार पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा 1, 466 पाठक आजीवन सदस्य हैं।

शहर के विभिन्न इलाकों से निकाला गया जुलूसे मुहम्मदी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। पैगम्बर हजरत मुहम्मद के जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को शहर में सुबह से देर रात तक विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। विभिन्न इलाकों से जुलूसे मुहम्मदी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। कई स्थानों पर फातिहा ख्वानी भी की गई। विभिन्न अंजुमनों और मस्जिद कमेटियों की ओर से मुख्य जुलूसे मुहम्मदी दोपहर 2 बजे गौसिया मस्जिद, केम्प-1 के पास से निकाला गया। जुलूस लिंक रोड होते हुए केम्प-2, रजा जामा मस्जिद, मदरसा रोड, शीतला कॉम्प्लेक्स, नंदिनी रोड और फ्लाईओवर ब्रिज से होकर इक्विपमेंट चौक पहुंचा। वहीं हाउसिंग बोर्ड की ओर से आने वाली अंजुमन फौजी नगर, छावनी चौक और नंदिनी रोड होते हुए पावर हाउस पहुंची। खुर्सीपार जोन-1, जोन-2 और जोन-3 से आने वाली अंजुमनें भी पावर हाउस होते हुए इक्विपमेंट चौक पहुंचीं।इसके बाद सभी जुलूस सेंट्रल एवेन्यू रोड (पंडित रविशंकर शुक्ल मार्ग) से होते हुए सेक्टर-5 चौक पहुंचे और शाम करीब 6 बजे सेक्टर-6 जामा मस्जिद के ईदगाह मैदान में समापन हुआ। यहां मस्जिदों के इमाम एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। ईदगाह मैदान में परचमे इस्लाम फहराया गया। मगरिब की नमाज के बाद सेक्टर-6 जामा मस्जिद ईदगाह मैदान में रहमते आलम कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें कोलकाता से आए हसन रजा कादरी ने सीरते नबी पर बयान किया।

संगठन सृजन अभियान: दुर्ग ग्रामीण में प्रथम मंडल बैठक में

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा :गांव-गांव तक कांग्रेस को मजबूत करना है लक्ष्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 27 अगस्त। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत उतई स्थित विश्राम गृह एवं ग्राम बोरीगारका के कर्मा भवन में प्रथम मंडल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और जनसमस्याओं को लेकर गहन मंथन हुआ।

बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास संघर्ष का इतिहास रहा है और आज फिर हमें आम जनता की आवाज बनकर सड़क से सदन तक लड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जबरन लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर से गरीब, किसान और मध्यम वर्गीय परिवार परेशान हैं।लगातार महंगाई बढ़ रही है जिससे लोग परेशान है यह मीटर गरीबों पर आर्थिक बोझ है।कांग्रेस पार्टी ने इसके विरोध में जो फॉर्म भरने का अभियान शुरू किया है, उसे हर घर तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने आगे कहा कि संगठन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। जब संगठन गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत होगा, तभी हम भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का मजबूती से जवाब दे पाएंगे। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करें और जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनें।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री देवेंद्र देशमुख ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का मुख्य उद्देश्य निष्क्रिय पड़े बूथों को सक्रिय करना और नए ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को जोड़ना है। आने वाले समय में हर वार्ड और हर ग्राम पंचायत में बैठकें आयोजित की जाएंगी। मंडल अध्यक्ष श्री राकेश हिरवानी ने कहा कि उतई और बोरीगारका क्षेत्र कई जनसमस्याएं हैं, जिन्हें कांग्रेस कार्यकर्ता प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने स्मार्ट मीटर विरोधी अभियान को सफल बनाने का संकल्प दिलाया।

बैठक में उपस्थित अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस देवेंद्र देशमुख, उतई मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र बंजारे, अध्यक्ष नगर कांग्रेस प्रहलाद वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस भीषम हिरवानी, खुमान साव, डिकेंद्र हिरवानी, नंद कुमार सेन, रिवेन्द्र यादव, जागृति साहू, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, सरपंच चुम्मन यादव, सरपंच युगल किशोर साहू, डॉ पिलेश्वर साहू, जामवंत गजपाल, घनश्याम गजपाल, पुष्पा साहू सहित वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने भी अपने विचार रखे और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया।अंत में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर आमजन की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, मंडल, सेक्टर, बूथ कमेटी के पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

श्री राम मंदिर में की गई नर्मदेश्वर महाराज की पूजा-अर्चना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। आम्रपाली सोसाइटी स्थित श्री राम मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ नर्मदेश्वर महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। पूजा-अर्चना में अध्यक्ष पीएस सिंह, अशोक गोयल, रवि सोनी, साहूजी, अवधेश सिंह, शैलेंद्र सिंह सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धा के साथ भगवान का पूजन कर सुख, शांति, समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

नराकास स्तरीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। नगर राजभाषा कार्यालय समिति के तत्वावधान में यूको बैंक, सेक्टर-1 द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केन्द्र में नराकास स्तरीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में नराकास के विभिन्न सदस्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने पर्ची के माध्यम से प्राप्त विषयों पर तत्काल भाषण प्रस्तुत कर अपनी वाक-कला, ज्ञान एवं हिंदी दक्षता का प्रदर्शन किया।

निर्णायक मंडल में राइट्स लिमिटेड के महाप्रबंधक राजीव कुमार आहूजा, सेल-सीईटी की महाप्रबंधक सुश्री पारमिता महान्ति तथा उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी शामिल रहे। प्रतियोगिता में न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के प्रशासनिक अधिकारी अजिताभ कुमार ने प्रथम, भारतीय डाक विभाग के पैकर सौरभ मिश्रा ने द्वितीय तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र की स्टाफ नर्स सुश्री ऊषा साहू ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

आयोजक संस्थान प्रमुख एवं यूको बैंक के मुख्य प्रबंधक सुभाष कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। संचालन एवं आभार प्रदर्शन यूको बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक अमित सरवर ने किया।

आवागमन बाधित करने पर वाहनचालकों पर कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। पाटन टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि ग्राम फुण्डा पेट्रोल पंप के पास पीकअप वाहन एवं आईचर ट्रक को आम सड़क पर खड़ा कर आवागमन में बाधा उत्पन्न किए जाने तथा वाहन चालकों के मध्य बहस एवं विवाद की स्थिति निर्मित होने की सूचना थाना पाटन पुलिस को मिली सूचना पर थाना पाटन पुलिस एवं एसीसीयू टीम मौके पर पहुंच कर संबंधित व्यक्तियों को समझाइश देकर स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया गया समझाइश के बावजूद विवाद की स्थिति समाप्त नहीं होने एवं मौके पर तनाव की स्थिति निर्मित होने पर दोनों वाहन चालकों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया इसके साथ ही शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों वाहन चालकों एवं उनके साथियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

हेरोइन बेचने से पहले दो गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। चिट्टा (हेरोइन) का अवैध कारोबार के मामले में पुलिस ने दो युवकों को फिर गिरफ्तार किया है दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई नवीन राजपूत ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर शासकीय जिला अस्पताल दुर्ग के नल घर के पास दो युवको को चिट्टा रखकर उसे बेचने ग्राहक की तलाश करते समय पहले दो युवकों को पकड़ा गया था उनके बयान के बाद पुलिस ने वार्ड नंबर 41, केलाबाड़ी, दुर्ग निवासी सिफतैन रजा, वार्ड नंबर 8, तकियापारा डारेन असरफी को पकड़ा गया है। इसके पूर्व विकास यादव, फयाज खोखर उर्फ सोहेल को पकड़ा गया था इनके बयान के आधार पर पुलिस ने बुधवार को दोनों युवको को पकड़ा गया है पुलिस ने एंड ने एंड-टू-एंड विवेचना के दौरान आरोपियों से पूछताछ करने पर मेमोरेण्डम कथन, साक्ष्यों के बाद पुलिस को अहम कड़ी मिली सिफतैन रजा, डारेन असरफी से भी पुलिस पूछताछ की है।

यातायात पुलिस ने ऑनलाइन ठगी से बचने के तरीके बताए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 27 अगस्त। यातायात पुलिस ने जामा मस्जिद सेक्टर-6 में साइबर जागरूकता अभियान चलाकर ऑटो बस चालकों और आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी से बचने के तरीके बताए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेन्द्र देव पटेल ने बताया कि लोगों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने और किसी के साथ ओटीपी साझा नहीं करने की समझाइश दी गई। पुलिस ने बैंकिंग संबंधी जानकारी के लिए मोबाइल पर आए संदिग्ध कॉल या संदेश का जवाब देने के बजाय संबंधित बैंक से संपर्क करने की सलाह दी साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई और बाजारों में महिला पिंक पेट्रोलिंग टीमों ने महिलाओं और नागरिकों को सोशल मीडिया सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल, ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल ठगी के प्रति जागरूक किया। अभियान को सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक आयोजनों, बाजारों, पार्कों और कार्यस्थलों तक पहुंचाया जा रहा है।

एक नजर

250 रुपए लूटने, चाकू से हमला और घर में तोड़फोड़ करने वाले गिरफ्तार

राजनांदगांव 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। । थाना लालबाग पुलिस ने मारपीट, लूट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और घर में घुसकर तोड़फोड़ के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्टील का चाकू और डंडा भी जब्त किया है। मामले का एक अन्य आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार, 25 अगस्त को प्रार्थी सब्जी लेने बाजार जा रहा था। शाम करीब 5 बजे पेंड्री बस्ती स्थित पवन आटा चक्की के पास आरोपियों ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और चाकू व डंडे से मारपीट करते हुए उसकी जेब से ?250 लूट लिए। मोबाइल भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने घर में घुसकर होम थिएटर सहित अन्य सामान में तोड़फोड़ की। पुलिस ने आरोपी पिंकू उर्फ फ्टीक लहरे (26) और हिरेंद्र लहरे (27) को गिरफ्तार किया। एक आरोपी आदतन हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। तीसरे आरोपी सोमू लहरे की तलाश जारी है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में की गई।

डरा-धमकाकर महिला से दुष्कर्म का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

बलौदाबाजार 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं महिला संबंधी अपराधों पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाते हुए सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना गिधौरी-टूण्डरा पुलिस द्वारा महिला को जान से मारने एवं बदनाम करने की धमकी देकर जबरन दुष्कर्म करने वाले आरोपी को त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया गया है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि पीड़िता द्वारा थाना गिधौरी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी संतोष कुमार साहू द्वारा उसके घर में घुसकर बदनाम करने तथा बच्चे को जान से मारने की धमकी देकर उसकी इच्छा के विरुद्ध जबरन दुष्कर्म कारित किया गया। आरोपी द्वारा लगातार डरा-धमकाकर महिला के सांथ दुष्कर्म किया गया। पीड़िता की शिकायत पर थाना गिधौरी-टूण्डरा में अपराध क्रमांक 167/2026, धारा 64(2)(एम) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी के ठिकाने पर दबिश देकर उसे हिरासत में लिया गया। पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाए जाने पर आरोपी को दिनांक 25.08.2026 को विधिवत गिरफ्तार आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर, उसे ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

राखी से पहले मिला सम्मान और स्नेह का उपहार, महतारी वंदन से सशक्त हुआ परिवार

बलौदाबाजार भाटापारा, 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता, सम्मान और आत्मविश्वास का आधार बन रही है। ग्राम बिटकुली की श्रीमती मंजू ध्रुव भी ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने शासन की योजनाओं और स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया है। मंजू बताती हैं कि उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। स्व-सहायता समूह से होने वाली आय और महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। रक्षाबंधन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त प्राप्त होने से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। समय से पहले राशि मिलने से रक्षाबंधन की खुशियां और भी बढ़ गई हैं। यह राशि उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि एक भाई की ओर से बहनों के लिए सम्मान और स्नेह का उपहार है। मंजू कहती हैं - इस रक्षाबंधन पर हमारे विष्णु भैया ने हम सभी बहनों को बहुत खूबसूरत तोहफा दिया है।

निधन

संतराम साहू

भखारा। ग्राम सुपेला निवासी एवं प्रेस क्लब भखारा के सचिव श्री युगल किशोर साहू के दादा श्री संतराम साहू का निधन हो गया। वे तेजराम साहू, दुनंदन साहू एवं गौकरण साहू के पूज्य पिता थे। उनका अंतिम संस्कार शांतिघाट सुपेला में संपन्न हुआ। पंचनावहन एवं अन्य कार्यक्रम 31 अगस्त को आयोजित होगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

देवभोग में प्रदेश संयोजक डॉ. देवेंद्र कश्यप का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

- जिला संयोजक डॉ. अरविंद नाथ तिवारी एवं क्षेत्र के चिकित्सकों ने किया भव्य स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

देवभोग 27 अगस्त। प्रदेश संयोजक श्री डॉ. देवेंद्र कश्यप के देवभोग-कचनाधुर्वा की माटी में प्रथम आगमन पर जिला संयोजक डॉ. अरविंद नाथ तिवारी एवं क्षेत्र के चिकित्सकों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। उनके स्वागत के लिए स्थानीय स्तर पर विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में चिकित्सकों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लोकल बाजे और आतिशबाजी के साथ प्रदेश संयोजक डॉ. देवेंद्र कश्यप का आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में देवभोग क्षेत्र के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित चिकित्सकों की विशेष उपस्थिति रही। इनमें देवभोग के सबसे वरिष्ठ चिकित्सकों में शामिल डॉ. प्रशांत कुमार पाड़ा, डॉ. डी.डी. ठाकुर, डॉ. रोहित साहू, डॉ. डी. बनर्जी, डॉ. प्रेम अवतार खरे, डॉ. सुशील कुमार साहू, डॉ. टिकेंद्र नागेश, डॉ. राजीव लोचन पांडा, डॉ. नरेश सिन्हा, डॉ. योगिराज माखन कश्यप, डॉ. मनीष सिन्हा एवं डॉ. पादुलोचन जगत सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम में देवभोग चिकित्सा प्रकोष्ठ के मंडल संयोजक श्री बिलभद्र यादव की उपस्थिति भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। श्री यादव अब तक 61 बार रक्तदान कर चुके हैं और रक्तदान के क्षेत्र में उनके योगदान को उपस्थित लोगों ने सराहा।

कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक श्री गोवर्धन माझी, पूर्व विधायक श्री डमरूधर पुजारी, देवभोग मंडल के अध्यक्ष श्री जगमोहन पटेल, श्री लैबानो सोना, श्रीमती अनीता उपाध्याय, श्रीमती जयंती सिन्हा, श्री प्रमोद यादव, श्री पादुलोचन मरकाम एवं श्री रूपनारायण मरकाम सहित भाजपा के वरिष्ठ जन शामिल हुए। वहीं श्री अनिल बेहरा एवं श्री कुंज बिहारी बेहरा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

आतिशबाजी और स्थानीय वाद्य यंत्रों से उत्सवमय हुआ माहौल: प्रदेश संयोजक डॉ. देवेंद्र कश्यप के देवभोग आगमन को लेकर चिकित्सकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। स्वागत के दौरान आतिशबाजी और स्थानीय वाद्य यंत्रों की गूंज से पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया तथा क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को और मजबूत बनाने की दिशा में चर्चा की।

डॉ. देवेंद्र कश्यप के प्रथम आगमन को लेकर चिकित्सक वर्ग में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। क्षेत्र के वरिष्ठ चिकित्सकों की एकजुट उपस्थिति ने कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बना दिया। उपस्थित लोगों ने प्रदेश संयोजक का स्वागत करते हुए उनके नेतृत्व में क्षेत्र में संगठन और जनसेवा से जुड़े कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद जताई।देवभोग-कचनाधुर्वा की माटी में प्रदेश संयोजक के इस प्रथम आगमन पर हुआ भव्य स्वागत क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। कार्यक्रम में चिकित्सकों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया।

धरपकड़ अभियान में 12 मवेशी पकड़े 100 से अधिक को लगाई रेडियम पट्टी

दुर्घटनाओं से बचाव के लिए निगम की कार्रवाई जारी, बीमार गाय को उपचार के लिए गौशाला भेजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 27 अगस्त। पशु मालिकों की लापरवाही से मवेशी निगम सीमाक्षेत्र के चैक चैराहों में घुमते रहने एवं बैठे रहने से यातायात बाधित होने एवं दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। गत दिवस रात्रि में जी.ई.रोड फ्लाई ओव्हर में दर्जनभर मवेशी दुर्घटना के शिकार हुए। आमजनो एवं मवेशियो को दुर्घटना से बचाने नगर निगम द्वारा मवेशी धर पकड अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही निदान 1100 तथा मुख्यमंत्री हेल्प लाईन में प्राप्त शिकायतों के आधार पर भी मवेशी पकडा जाता है तथा बीमार मवेशी ईलाज के लिए गौशाला पिंजरापोल तथा आरोग्यंम गौशाला छोड़ा जाता है एवं रात में टीम द्वारा मवेशी हकाला भी जाता है। आज कलेक्टर महोदय के निर्देश पर आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम की उपस्थिति में मवेशी पकड़ने के अलावा 100 से अधिक मवेशियो के गले में रेडियम पट्टी लगाकर सिंग में रेडियम टेप लगाया गया तथा चैक चैराहो से 12 घुमंतु एवं बैठे मवेशी पकड़कर रेवाडीह कांजी हाउस पहुॅचाया गया। जहाँ गंज मण्डी से बचे फ्ल सब्जी लाकर मवेशियो को खिलाया जा रहा है।

मवेशियों को पकड़ने शासन व प्रशासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार नगर निगम की घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने निगम आयुक्त द्वारा गठित टीम चैक चैराहो से घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही निरंतर कर रही है। आज नेहरूनगर, जी.ई.रोड ओव्हर ब्रिज के उपर,महामाया चैक, कमला कालेज चैक, सृष्टि कालोनी,आर.के.नगर से 12 मवेशी पकड रेवाडीह काजी हाउस छोडे, जहॉ से उन्हें छोडाने पर 570-570 रूपये संबंधित से अर्थदण्ड लेकर मवेशी छोडा जायेगा। साथ ही जिलाधीश महोदय के निर्देश पर मवेशियो को दुर्घटना से बचाने तथा नागरिको को भी दुर्घटना से बचने आयुक्त श्री मरकाम ने प्र. सहायक राजस्व अधिकारी श्री अशोक चैबे, सहायक उद्यान प्रभारी श्री दिलीप गिरी, सहायक राजस्व निरीक्षक श्री रमेश बघेल एवं टीम के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घुमकर 100 से अधिक मवेशियो के गले में रेडियम पट्टी लगाकर सिंग में रेडियम टेप लगाए। इसी प्रकार प्रतिदिन रात में दुर्घटना से बचाने प्रमुख चैक चैराहो व सड़को से मवेशी हकाला भी जा रहा है। इसके अलावा पाताल भैरवी मंदिर के पास से एक बीमार गाय की सूचना पर उसे पकड ईलाज के लिए आरोग्यंम गौशाला छोड़ा गया। मवेशी पकड़ने तथा रेडियम लगाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा। आयुक्त श्री मरकाम ने बरसात में दुर्घटना से बचने एवं मवेशियो को भी दुर्घटना से बचाने मवेशी मालिको से अपने जानवर को निर्धारित स्थल में बांध कर रखने तथा चैक-चैराहों व सड़कों पर घुमने पशुओं को खुला न छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अपालन की स्थिति में मवेशी मालिकों के उपर कार्यवाही करते हुये अर्थदण्ड अधिरोपित किया जायेगा।

सीएस परीक्षा में सफल हुई चाहत विरानी, तिल्दा-नेवरा का बढ़ाया गौरव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 27 अगस्त। नगर के प्रतिष्ठित एवं सम्मानित विरानी परिवार की होनहार बेटी सुश्री चाहत विरानी ने अपनी मेहनत, लगन, अनुशासन एवं प्रतिभा के बल पर कंपनी सेक्रेटरी की परीक्षा में सफलता अर्जित कर अपने परिवार के साथ-साथ पूरे तिल्दा-नेवरा नगर का गौरव बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के शुभ अवसर पर रानी सौरभ जैन, पार्षद वार्ड क्रमांक 21 मिशन वार्ड, ने चाहत विरानी के निवास पहुँचकर उनसे आत्मीय भेंट-मुलाकात की तथा उनकी इस शानदार सफलता पर शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मानित करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। चाहत की यह उपलब्धि केवल एक परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि परिश्रम, आत्मविश्वास, संस्कार और शिक्षा के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल है। विशेषकर हमारी बेटियों की ऐसी उपलब्धियाँ समाज में शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नई संभावनाओं के द्वार खोलती हैं।

बेटी की सफलता, परिवार का सम्मान और समाज का गौरव – इसी भावना के साथ प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। शिक्षा ही वह मजबूत आधार है, जिसके माध्यम से युवा अपने सपनों को साकार कर राष्ट्र एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री राम पंजवानी जी, बी,एन,बी हाई स्कूल तिल्दा नेवरा के प्राचार्य श्री राजेश चंदानी जी, चाहत विरानी के चाचा श्री रमेश वीरानी जी, हीरा भाई, श्री करण विरानी जी सहित परिवारजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने चाहत विरानी की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चाहत जी, आपकी यह सफलता तिल्दा-नेवरा की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने–यही मंगलकामना है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप जीवन में निरंतर सफलता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें, अपने परिवार, समाज, तिल्दा-नेवरा एवं छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें तथा अपनी प्रतिभा और ज्ञान के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें।

महापौर मधुसूदन यादव ने पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के साथ विकास कार्यो का किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 24 अगस्त। राज्य शासन के अधोसंरचना मद अंतर्गत विद्यार्थियों की शिक्षा सुविधा के लिए निर्माणाधीन नालंदा परिसर एवं पानी निकासी के लिए बनाये जा रहे नाला का महापौर श्री मधुसूदन यादव ने पूर्व सांसद श्री अभिषेक सिंह के साथ निरीक्षण कर कार्य में गति लाने के निर्देश दिए ताकि समय सीमा में काम पूर्ण हो सके। गौरव पथ में निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर महापौर श्री यादव ने निर्माण प्रक्रिया की तकनीकि अधिकारियो से जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व सांसद श्री सिंह को जानकारी दी कि शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ में नालंदा परिसर योजना के तहत विद्यार्थियो की सुविधा के लिए 500 सीटर लायब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों के लिए क्लास रूम, रिडिंग जोन, पुस्कालय, केन्टीन की सुविधा के साथ भूतल व प्रथम तल में निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पार्किंग, पानी निकासी के लिए नाली, बाउण्ड्रीवाल भी बनाया जायेगा। आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने निर्माण प्रगति की जानकारी दी कि प्रथम तल में स्लेब कास्टिंग किया जा रहा है और भूतल में पार्टिशन के लिए ईट जोडाई कार्य प्रगति पर है। महापौर श्री यादव ने तकनीकि अधिकारियो से कहा कि निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने कार्य में गति लाए, और बिल्डिंग के अलावा परिसर के अन्य कार्य भी साथ साथ करे। साथ ही निर्माण कार्य की निरंतर मानिटरिंग करे। पूर्व सांसद श्री सिंह ने कहा कि शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ में विद्यार्थियों का भविष्य सवारने की अच्छी योजना है। इसलिए शासन मंशानुरूप इसका निर्माण हो, ताकि विद्यार्थी इसका लाभ उठा सके। गौरव पथ रोड समता भवन के पास नाला निर्माण का जायजा लेकर महापौर श्री यादव ने कहा कि क्षेत्र में पानी भरान से निजात दिलाने नार कन्हैया नाला निर्माण किया जा रहा है, निर्माण में ढाल का विशेष ध्यान रखा जाये, जिससे समुचित पानी निकासी हो सके। उन्होंने इंदिरा नगर में पानी भरान रोकने राजीव नगर नाला को बसंतपुर होते हुए गोकुल नगर नाला मे जोडने कार्य योजना बनाने निर्देशित किए। उन्होंने पूर्व मंत्री स्वर्गीय लीलाराम भोजवानी जी स्मृति द्वार निर्माण का भी निरीक्षण कर सेन्ट्रींग की समयावधि की जानकारी लेकर आवागमन के लिए अवरूद्ध मार्ग हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान छ.ग. केश शिल्प कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री देवशरण सेन, क्षेत्रीय पार्षद श्री सतीश साहू, अरूण साहू, पार्षद श्री मनोहर यादव, पार्षद प्रतिनिधि श्री राजेश यादव सहित तकनीकि अधिकारी उपस्थित थे।

टाकापारा में पाइप लाइन बिछाने महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

- वार्ड नं. 14 के ओव्हर ब्रिज ढलान एवं वार्ड में विद्युत पोल लगाने के दिये निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 27 अगस्त। नगर निगम द्वारा शहर में सुचारू पेयजल सप्लाई के लिए पाईप लाईन विस्तार किया जा रहा हैं। इसी कडी में वार्ड नं. 14 टाकापारा के पास लोधी पारा में पाईप लाईन बिछाने के लिए महापौर श्री मधुसूदन यादव आज कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल व वार्ड पार्षद श्री सतीश मसीह तथा अधिकारियो के साथ स्थल निरीक्षण किए। साथ ही उन्होंने वार्ड की ओर ओव्हर ब्रिज ढलान सहित वार्ड में 12 विद्युत पोल लगाने के निर्देश दिए। महापौर श्री यादव टाकापारा पहुच मोहल्ले वासियो के साथ पेयजल समस्या क्षेत्र का निरीक्षण किए। टाकापारा के पास लोधी पारा गली में पाईप लाईन नही होने के कारण पानी की समस्या बरकरार थी, जिसके समाधान के लिए महापौर ने वार्ड पार्षद के साथ स्थल निरीक्षण कर अधिकारियो को पाईप लाईन बिछाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पाईप लाईन बिछाने के पश्चात चेककर खोदे गये गड्ढे तत्काल समतल किया जाए, जिससे आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने चर्च से लगा टाकाघर परिसर में बाउण्ड्रीवाल तथा टाकापारा में सीमेंट रोड निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चर्च के आस पास साफ सफाई एवं लाईट की पर्याप्त व्यवस्था हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए तथा वार्ड की ओर ओव्हर ब्रिज ढलान में अंधेरा होने पर लाईट के लिए ओव्हर ब्रिज के अलावा वार्ड में 12 नग विद्युत पोल लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्र.कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम, प्र.सहायक अभियंता सुश्री सुषमा साहू, उप अभियंता श्रीमती पिंकी खाती व श्री अनूप पाण्डे आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

- जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 27 अगस्त। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं मांगे सुनी। जनदर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों का अवलोकन कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। जनसामान्य अपनी अपेक्षाओं और विश्वास के साथ प्रशासन के पास पहुंचते हैं, इसलिए प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए तथा आवेदनों के निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, भू-अर्जन से संबंधित प्रकरण, अवैध अतिक्रमण हटाने, नजूल भूमि संबंधी मामलों, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व अभिलेखों में सुधार संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा नागरिकों ने विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं के समाधान के लिए भी आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें तथा आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए।

रक्षाबंधन पर केन्द्रीय जेल रायपुर में मुलाकात की व्यवस्था

रायपुर, 27 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर केन्द्रीय जेल रायपुर में बंदियों को राखी बांधने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जेल प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार 28 अगस्त 2026 को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक केवल बहनों को ही बंदियों से मिलने और राखी बांधने के लिए जेल के भीतर प्रवेश की अनुमति होगी। मुलाकात के लिए आने वाली बहनों के पास वैध पहचान–पत्र होना आवश्यक है। गहन जांच के बाद ही प्रवेश मिलेगा।

गुस्से को दबाएं नहीं, एहसास को स्वीकार कर खुद को बेहतर बनाएं : श्रेयांशप्रभ

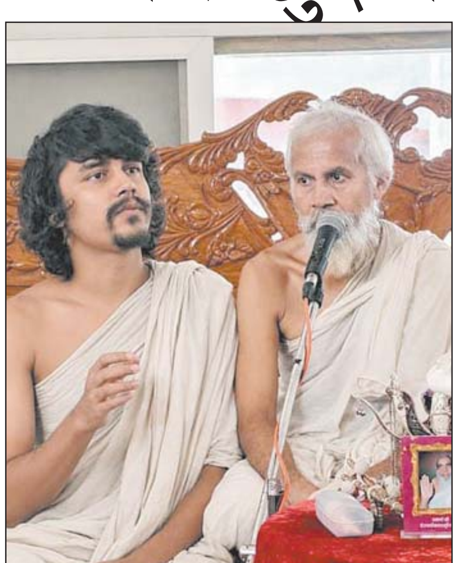

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 27 अगस्त। खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने आज यहां कहा कि अपने गुस्से को मत दबाओ नहीं तो वह दबते - दबते किसी दिन फूट पड़ेगा और इससे नुकसान फिर आपका ही होगा। उन्होंने कहा कि आपको बेहतर बनना है तो एहसास को स्वीकार करो।

जैन बगीचा स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन में अपने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन की श्रृंखला में श्रेयांशप्रभ मुनि ने कहा कि दोष सभी में है। गुस्सा सभी को आता है किंतु किसी को क्षण भर के लिए आता है और किसी को लंबे समय के लिए आता है। हममें हजारों दोष हैं। हमारे इन दोषों को कोई दूसरा दूर नहीं कर सकता। हमें अपने दोष को दूर करने के लिए स्वयं ही प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि पानी गर्म भी होता और ठंडा भी, किंतु गर्म पानी थोड़ी देर ही गर्म रहता है,उसके बाद वह ठंडा हो जाता है। जबकि ठंडा पानी स्थाई होता है। उन्होंने कहा कि हमारा परिवर्तन भी स्थाई होना चाहिए। मुनि श्री श्रेयांशप्रभ जी ने कहा कि हम प्रयास करते हैं किंतु हमारा मन शांत नहीं होता इसलिए हम असफल हो जाते हैं। जल्दबाजी में कुछ भी नहीं करना चाहिए। आप कहते हैं कि हमें अच्छा करना है, आप यह क्यों नहीं कहते कि हमें ÷और ÷अच्छा करना है। यह एक शब्द ÷और÷ जुड़ जाता है तो कुछ बेहतर करने का हममें आत्म विश्वास पैदा हो जाता है। उन्होंने कहा कि सभी दुर्गुण छोड़ना चाहते हैं किंतु दुर्गुण छोड़ना इतना आसान नहीं होता इसके पीछे का कारण यह है कि हमें जहां जाना है उसके बारे में हम सोचते हैं लेकिन हम जहां खड़े हैं हम उसके बारे में नहीं सोचते। हमें एहसास करना होगा और उसे स्वीकार करना होगा तभी हम बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि हम सीधे रास्ते पर जा रहे हैं जबकि सामने दिख रहा रस्ता टेढ़ा-मेढ़ा है । वास्तविकता यह है कि जो रास्ता सीधा दिखता है उसमें कई पेंच होते हैं जबकि टेड़ा -मेढ़ा रास्ता सिद्ध होता है।आप अहसास करना सीखेंगे तभी आप सही रास्ता चुन पाएंगे । यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

मुद्दा आरक्षण का है तो राजनीति तो होगी ही

देश में आरक्षण सबसे ज्यादा संवेदनशील मुद्दा है।इसलिए राजनीतिक दल चुनावी फायदे के लिए इसे बढ़ाने की बात तो करते हैं लेकिन इस खत्म करने या इसमें सुधार के लिए चर्चा करने को भी कतई तैयार नहीं होते है।लोकतंत्र में माना तो जाता है कि हर विषय पर चर्चा हो सकती है,हर क्षेत्र में सुधार बदलते वक्त के साथ किया जा सकता है।लेकिन राजनीतिक दल चाहे वह सत्ता में हो या विपक्ष में हो,वह चुनाव में होने वाले राजनीतिक नुकसान के चलते आरक्षण में सुधार तो दूर की बात है,वह तो इसमें सुधार के लिए भी चर्चा तक नहीं करना चाहता है।माना जाता है जो भी आरक्षण में समीक्षा,सुधार या चर्चा की बात भी करता है तो दूसरे पक्ष को यह कहने का मौका मिल जाता है,यह तो दलितों,पिछड़ों का आरक्षण खत्म करना चाहता है।यही वजह है कि राजनीतिक इस पर चर्चा के लिए भी तैयार भी नहीं होते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में नीट पेपर लीक के विरोध मे युवाओं के एक महीने लंबे आंदोलन के सफल होने का परिणाम यह हुआ है कि अब जंतर मंतर में अपनी मांगों को लेकर कई संगठनों ने आंदोलन शुरू कर दिया है।स्वाभाविक है कि एक आंदोलन सफल होता है तो दूसरे संगठनों को भी लगता है कि हम आंदोलन करेंगे तो हमारा आंदोलन भी सफल हो सकता है। हमारे आंदोलन से भी देश का हर वर्ग जुड़ सकता है और सरकार को हमारी मांगों पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।सीजेपी के आंदोलन के बाद जंतर मंतर में देश के युवाओं का आरक्षण हटाओ या आरक्षण में सुधार की मांग को लेकर जो आंदोलन हो रहा है।उससे सत्तारूढ़ भाजपा की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है कि विपक्ष इस मुद्दे को उसके खिलाफ उपयोग कर सकता है। सरकार भले ही आरक्षण को लेकर कुछ न करने वाली हो लेकिन विपक्ष सरकार के खिलाफ यह अफवाह तो फैला ही सकता है कि सरकार सवर्ण युवाओं के दबाव में आकर आरक्षण सुधार करने वाला है। इससे दलितों व पिछड़ों का आरक्षण कम हो सकता है और उनको नुकसान हो सकता है।

विपक्ष लोकसभा चुनाव २०२४ के पहले संविधान खत्म करने और आरक्षण समाप्त करने की अफवाह फैलाकर राजनीतिक रूप से यूपी में फायदे में रहा था और भाजपा को इसका नुकसान हुआ था और भाजपा को केंद्र में बहुमत नहीं मिल सका था। उसे दूसरे दलों के सहयोग से सरकान बनानी पड़ी थी।कांग्रेस व विपक्ष के मुंह झूठ का खून लग गया है और इससे उनको यूपी में फायदा हुआ है तो वह जंतर मंतर में आरक्षण हटाओं व आरक्षण सुधार के नाम पर जो आंदोलन हो रहा है, इसके नाम पर फिर एक बार यूपी में आरक्षण समाप्त करने या सुधार करने की अफवाह फैलाकर फायदा उठाने की सोच सकता है।यूपी विधानसभा चुनाव २०२७ मे होना है यानी कुछ महीने ही बचे हैं।इस दौरान यदि देश में आरक्षण समाप्त करने या आरक्षण में सुधार का मुद्दा बना रहा तो चुनाव के दौरान में यह एक बड़ा व प्रभावी मुद्दा रह सकता है।कांग्रेस व सपा तो सोच सकते हैं कि हम एक बार इस मुद्दे पर यूपी में फायदे में रहे हैं तो इस बार के चुनाव में भी हम इसका फायदा तो उठा ही सकते हैं। यूपी विधानसभा चुनाव के पहले आरक्षण का मुद्दा गरमाया हुआ है तो इसकी वजह यह है कि .यूपी में जातिगत व सामाजिक समीकरण ही जीत की कुंजी है।भाजपा की जीत का आधार यहां सवर्ण,गैर यादव,ओबीसी व दलित वोट हैं।इनको तोड़ना विपक्ष के लिए आसान नहीं है लेकिन विपक्ष सोच सकता है कि यदि आरक्षण के नाम पर सवर्ण भाजपा से नाराज होता है तो इससे उनको फायदा हो न हो भाजपा को नुकसान होगा।भाजपा को नुकसान मतलब विकल्प के रूप में मौजूद सपा कांग्रेस गठबंधन को फायदा है।सवर्ण युवाओं का आंदोलन चलता रहा तो सपा और कांग्रेस को पहले की तरह भाजपा आरक्षण विरोधी बताने में आसानी होगी।इससे नाराज सवर्ण व दलितों को भाजपा से मोहभंग हो सकता है और चुनाव में पहले की तरह बड़ा राजनीतिक नुकसान हो सकता है।जंतर मंतर में सवर्ण युवाओं का आंदोलन भाजपा के लिए एक बड़ी परेशानी है क्योंकि इससे उसके सवर्ण व दलित वोट का नुकसान हो सकता है।इसे भाजपा को समाप्त करना है और इस तरह समाप्त करना है कि सवर्ण भी नाराज न हो और दलित भी नाराज न हो। जंतरमंतर में युवाओं के आरक्षण सुधार की मांग को लेकर शुरू हुए आंदोलन के बाद अलग अलग दलों के नेताओं की बयानबाजी भी शुरू हो गई है। ज्यादातर लोग तो आरक्षण को बनाए रखने का बयान जारी कर रहे हैं।दलितों की नेता मायावती ने जाति आधारित आरक्षण की जगह आर्थिक आधार पर आरक्षण का विरोध किया है।उनका मानना है कि ऐसा कदम देशहित में नहीं होगा।सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा है कि आरक्षण संवैधानिक अधिकार है,यह किसी की इच्छा का विषय नहीं है,आरक्षण सुधार के नाम पर आरक्षण समाप्ति का षड्यंत्र पिछड़े व दलितों के हितों के खिलाफ है। भाजपा व उसके साथी समय समय पर कभी आरक्षण की समीक्षा तो कभी आरक्षण में सुधार तो कभी क्रीम लेयर के नाम पर आरक्षण का विरोध करते हैं।उनका दो टूक कहना है कि आरक्षण था, आरक्षण है और आरक्षण रहेगा। इसी तरह एनडीए सरकार के मंत्री चिराग पासवान का कहना है कि आरक्षण को किसी के कहने से खत्म नहीं किया जा सकता।यह खैरात नहीं संवैधानिक अधिकार है।दुनिया को कोई भी ताकत इस हटा नही सकती।यानी वोटों के ध्रुवीकरण के लिए नेताओं का ध्रुवीकरण शुरू हो गया है।

सू- दोकू क्र.142

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.141 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

शब्द सामर्थ्य -142

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं : 1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे 1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■	14		■	15				
16		■	■		■	■		■
17			18		■	19		■
	■	■		■	20	■	■	21
22				■	23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 141 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

रक्षाबंधन

राखी कोरा रक्षा कवच नहीं नारी-सम्मान का संकल्प बने

ललित गर्ग

रक्षाबंधन केवल कलाई पर बंधा हुआ एक धागा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस विराट चेतना का प्रतीक है जिसमें प्रेम,

विश्वास, दायित्व, आत्मीयता और संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। लेकिन बदलते समय में इस पर्व के अर्थ को भी नए सिरे से समझने की जरूरत है। वह समय बीत चुका है जब स्त्री की सुरक्षा को केवल पुरुष की जिम्मेदारी मान लिया जाता था। आज की महिला स्वयं अपने जीवन की दिशा तय कर रही है, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, सेना, उद्योग, खेल और अंतरिक्ष तक अपनी पहचान बना रही है। इसलिए आज राखी का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि भाई बहन की रक्षा करेगा या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि क्या हमारा समाज ऐसा बनेगा जिसमें हर महिला को अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता, गरिमा और सपनों के लिए किसी की कृपा पर निर्भर न रहना पड़े? रक्षाबंधन की भारतीय अवधारणा में 'रक्षा' का अर्थ बहुत व्यापक है। संस्कृत में कहा गया है- "रक्षति इति रक्षः", अर्थात जो रक्षा करे वही रक्षक है। परंतु किसकी रक्षा? केवल शरीर की नहीं, बल्कि सम्मान की, स्वतंत्रता की, संस्कारों की, विचारों की और जीवन-मूल्यों की भी। इसी व्यापक अर्थ में रक्षाबंधन आज एक पारिवारिक पर्व से आगे बढ़कर सामाजिक दर्शन का पर्व बन सकता है। भारतीय परंपरा में रक्षासूत्र का उल्लेख अत्यंत प्राचीन है। वैदिक परंपरा में रक्षा-सूत्र को मंगल, संकल्प और संरक्षण का प्रतीक माना गया। इंद्र और इंद्राणी की कथा हो अथवा गुरु द्वारा शिष्य को रक्षासूत्र बांधने की परंपरा-इन सबमें एक गहरी भावना दिखाई देती है कि मनुष्य अपने से जुड़े व्यक्ति के प्रति उत्तरदायित्व स्वीकार करे। इसका अर्थ किसी को कमजोर मानकर उसकी रक्षा करना नहीं, बल्कि संबंधों को जिम्मेदारी से निभाना है। यही बात आज के रक्षाबंधन को नई अर्थवत्ता देती है। भारतीय इतिहास में राखी ने कई बार रक्त और धर्म से परे मानवीय संबंधों का रूप लिया है। राजपूत परंपरा में युद्ध के लिए जाते योद्धाओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने की परंपरा वीरता और विजय की मंगलकामना से जुड़ी रही। मध्यकालीन इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती और हुमायूँ से जुड़ी राखी की कथा भले ही इतिहास और लोकस्मृति के बीच अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत की जाती हो, लेकिन इसका सांस्कृतिक संदेश स्पष्ट है-राखी जैविक भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़कर विश्वास और संरक्षण का मानवीय अनुबंध बन सकती है।

महाभारत में द्रौपदी और श्रीकृष्ण का प्रसंग भी इसी भावभूमि को स्पर्श करता है। द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की घायल कलाई पर वस्त्र बांधने और श्रीकृष्ण द्वारा उसके सम्मान की रक्षा करने की कथा भारतीय मानस में भाई-बहन के रिश्ते की करुणा, आत्मीयता और दायित्व का प्रतीक बन गई। इस कथा का आधुनिक अर्थ यह है कि संबंध केवल लेने का नहीं, एक-दूसरे के लिए खड़े होने का नाम है। रक्षा एकतरफा नहीं होती, प्रेम में पारस्परिक उत्तरदायित्व होता है। आज की नारी ने इस पारंपरिक धारणा को एक नया आयाम दिया है। वह अब केवल 'रक्षा की अपेक्षा रखने वाली' नहीं, बल्कि स्वयं परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भागीदार है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाएं सीमाओं की सुरक्षा कर रही हैं, महिला पायलट आकाश में देश की शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वैज्ञानिक अंतरिक्ष अभियानों में योगदान दे रही हैं, महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाएं नीति-निर्माण को दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में राखी का धागा हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि जिस नारी को हम 'अबला' कहकर उसकी रक्षा का दावा करते हैं, वही नारी राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर सकती है तो उसके सम्मान और अधिकारों की रक्षा में समाज पीछे क्यों रहे?

यही रक्षाबंधन का नया दर्शन है-नारी की रक्षा नहीं, नारी की सामर्थ्य का सम्मान। नारी को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय उसकी स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता को बदलना है। बेटी को यह कहना कि 'सावधान रहना, क्योंकि दुनिया सुरक्षित नहीं है' पर्याप्त नहीं। उससे अधिक जरूरी है बेटे को यह सिखाना कि किसी महिला की स्वतंत्रता, गरिमा और इच्छा का सम्मान करना ही वास्तविक पुरुषार्थ है। राखी यदि भाई की कलाई पर बंधती है तो वह केवल बहन की रक्षा का वचन न बने, वह भाई को यह संकल्प भी दे कि वह किसी भी स्त्री के प्रति अन्याय, अपमान और हिंसा के विरुद्ध खड़ा होगा। आज नारी सुरक्षा का प्रश्न केवल सड़क, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग ने सुरक्षा की नई चुनौतियां पैदा की हैं। साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन बदनामी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल धोखाधड़ी और सोशल मीडिया पर महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक व्यवहार आधुनिक समाज के नए खतरे हैं। इसलिए आज की राखी में एक नया संकल्प जुड़ना चाहिए-हम नारी की डिजिटल गरिमा की भी रक्षा करेंगे। लेकिन रक्षा का एक और आयाम है, जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं-आर्थिक आत्मनिर्भरता। जिस महिला के पास शिक्षा, कौशल, रोजगार और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता है, उसकी आत्मसम्मान की शक्ति कहीं अधिक होती है। इसलिए यदि रक्षाबंधन को सचमुच नारी-सशक्तीकरण का पर्व बनाना है तो भाई बहन को केवल उपहार न दे, बल्कि उसके सपनों में सहभागी बने। उसकी शिक्षा, व्यवसाय, शोध, कला, करियर अथवा सामाजिक कार्य में सहयोग करे। सबसे सुंदर राखी वही होगी जो बहन की कलाई पर बंधकर उसके सपनों को पंख दे।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः" की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्‌भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए रक्षाबंधन को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। रक्षाबंधन का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक रक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से रक्षासूत्र हमारी कलाई पर नहीं, पहले हमारे विवेक पर बंधना चाहिए।

रक्षाबंधन हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सीमाओं से सुरक्षित नहीं होता। राष्ट्र तब सुरक्षित होता है जब उसकी बेटियां सुरक्षित हों, जब परिवारों में विश्वास हो, जब समाज में संवेदना हो, जब युवाओं में चरित्र हो और जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें। सीमा पर सैनिक राष्ट्र की भौगोलिक रक्षा करता है, लेकिन घर-परिवार में संस्कार, शिक्षा और संवेदना राष्ट्र की सामाजिक रक्षा करते हैं। माता-पिता संकल्प लें कि बेटा और बेटी दोनों को समान अवसर देंगे। रक्षाबंधन का भविष्य उस मानसिक परिवर्तन में है जहां रक्षा का अर्थ अधिकार छीनना नहीं, अधिकार सुरक्षित करना होगा, प्रेम का अर्थ स्वामित्व नहीं, स्वतंत्रता का सम्मान होगाय भाईचारे का अर्थ संरक्षण नहीं, साझेदारी होगा और संस्कृति का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, अपने श्रेष्ठ मूल्यों को भविष्य में ले जाना होगा। कलाई पर बंधी राखी कुछ दिनों में पुरानी पड़ सकती है, लेकिन उससे जुड़ा संकल्प यदि जीवन में उतर जाए तो वह पीढ़ियों तक जीवित रहता है। इसलिए इस रक्षाबंधन पर एक नया संकल्प हो-नारी को सुरक्षित ही नहीं, सम्मानित बनाएंगे। उसे संरक्षित ही नहीं, समर्थ बनाएंगे। उसके रास्ते रोकेंगे नहीं, उसके सपनों के साथ चलेंगे। यही राखी का नया अर्थ है, यही भारतीय संस्कृति की आधुनिक व्याख्या है और यही उस धागे की वास्तविक शक्ति है, जो एक कलाई से शुरू होकर पूरे समाज को मानवीयता, आत्मसम्मान और राष्ट्रभावना के सूत्र में बांध सकता है।

पर्यावरण-असंतुलन का रौद्र रूप नेपाल में त्रासदी,भारत के लिए चेतावनी

संजीव ठाकुर

प्रकृति का संतुलन केवल पेड़-पौधों, नदियों, पर्वतों और मौसम का संतुलन नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के अस्तित्व की आधारशिला है। जब मनुष्य विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की सीमाओं को लगातार लांघता है, तब प्रकृति अपने ढंग से प्रतिक्रिया देती है। आज एशिया में बाढ़, भूस्खलन,

हिमस्खलन, ग्लेशियर झीलों के फटने, अत्यधिक वर्षा, सूखा और भीषण गर्मी जैसी घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति इसी बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन की गंभीर चेतावनी है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार एशिया दुनिया का सर्वाधिक आपदा-प्रभावित क्षेत्र बना हुआ है और यहां तापमान, ग्लेशियरों के पिघलने तथा समुद्री जल के गर्म होने जैसे जलवायु संकेत तेजी से बदल रहे हैं।

अगस्त 2026 में नेपाल तिब्बत सीमा पर हुई भयावह बाढ़ ने इस संकट को एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने ला दिया। 200 लोगों से ज्यादा की जान चली गई और कई शहर डूब गए अरबो रुपए का नुकसान हुआ अलग। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार हिमालय में ग्लेशियर के एक बड़े हिस्से के टूटने और उससे उत्पन्न बर्फ, चट्टान तथा मलबे के तेज प्रवाह ने नदी में अचानक बाढ़ की स्थिति पैदा की। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और सैकड़ों लोगों के लापता होने की खबरें सामने आई हैं। यह घटना केवल नेपाल की त्रासदी नहीं है; यह हिमालयी पर्यावरण की नाजुक होती स्थिति और उससे जुड़े भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया के भविष्य की चेतावनी है।

हिमालय का संकट, एशिया का संकट-हिमालय को केवल पर्वत श्रृंखला मानना उसके महत्व को सीमित करना होगा। हिमालय और तिब्बती पठार से निकलने वाली नदियां एशिया की विशाल आबादी को जल उपलब्ध कराती हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार थर्ड पोल कहलाने वाला यह क्षेत्र ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर बर्फ का सबसे बड़ा भंडार रखता है और दो अरब से अधिक लोगों के लिए मीठे पानी के स्रोतों को प्रभावित करता है। लेकिन हिमालय आज असामान्य गर्मी, कम होती बर्फबारी और ग्लेशियरों के तेजी से पीछे हटने का सामना कर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2025 की रिपोर्ट बताती है कि हाई-माउंटेन एशिया के निगरानी में रखे गए सभी 23 ग्लेशियरों ने 2025 में द्रव्यमान खोया। ग्लेशियरों का यह क्षरण भविष्य में जल-सुरक्षा को प्रभावित करने के साथ-साथ ग्लेशियर झीलों के फटने और ग्लेशियर के टूटने जैसी आपदाओं का खतरा भी बढ़ाता है। यहीं पर्यावरणविदों की चिंता सबसे अधिक गहरी होती है। ग्लेशियर का पिघलना केवल बर्फ का कम होना नहीं है। इसके साथ नदी का प्रवाह, कृषि, पेयजल, जलविद्युत, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। आज हिमालय में होने वाली एक घटना कल नेपाल, भारत, बांग्लादेश और उससे आगे तक प्रभाव डाल सकती है।

नेपाल की त्रासदी भारत के लिए भी चेतावनी-नेपाल और भारत की भौगोलिक तथा नदी प्रणालियां एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। हिमालय से निकलने वाली अनेक नदियां भारत में प्रवेश करती हैं और गंगा के विशाल नदी तंत्र का निर्माण करती हैं। इसलिए नेपाल में अत्यधिक वर्षा, भूस्खलन अथवा ग्लेशियर से जुड़ी आपदा का प्रभाव भारत के मैदानी क्षेत्रों तक पहुंच सकता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश जैसे हिमालयी क्षेत्रों में बादल फटना, भूस्खलन, अचानक बाढ़ और ग्लेशियर झीलों के फटने की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। वर्ष 2023 में सिक्किम में ग्लेशियर झील से जुड़ी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हिमालयी ग्लेशियरों के क्षरण को ग्लेशियर झील विस्फोट और भूस्खलन के बढ़ते जोखिम से जोड़ता है। भारत में समस्या केवल पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा अन्य मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ का संकट हर वर्ष लाखों लोगों को प्रभावित करता है। नेपाल से आने वाली नदियों में अचानक बढ़ा जलस्तर भारत के सीमावर्ती और मैदानी क्षेत्रों में भी संकट उत्पन्न कर सकता है यूनेस्को ने 2026 में भारत-नेपाल के साझा नदी तंत्र से जुड़े जोखिमों को रेखांकित करते हुए बताया कि नेपाल से आने वाली बाढ़ ने बिहार में बड़ी आबादी को प्रभावित किया।

इसलिए भारत और नेपाल को बाढ़ को केवल मानसूनी समस्या मानने की भूल छोड़नी होगी। यह अब जलवायु, हिमालय, नदी प्रबंधन और विकास नीति से जुड़ा साझा प्रश्न है। प्राकृतिक आपदाओं को केवल प्रकृति का प्रकोप कहना भी पूरी कहानी नहीं है। भूकंप, अत्यधिक वर्षा या हिमस्खलन प्राकृतिक घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन उनके विनाशकारी परिणामों को कई बार मानवीय गतिविधियां बढ़ा देती हैं। पहाड़ों में बिना पर्याप्त पर्यावरणीय अध्ययन के सड़क निर्माण, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, अनियंत्रित पर्यटन, जंगलों की कटाई और नदी के प्राकृतिक मार्गों में निर्माण पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। जब किसी क्षेत्र की प्राकृतिक वहन क्षमता से अधिक निर्माण किया जाता है, तो छोटी प्राकृतिक घटना भी बड़ी आपदा में बदल सकती है। इसलिए विकास का विरोध समाधान नहीं है; बल्कि ऐसा विकास चाहिए जो प्रकृति की क्षमता को समझे। सड़क भी बने, लेकिन पहाड़ काटने की सीमा तय हो। जलविद्युत भी बने, लेकिन नदी और जैव-विविधता की कीमत पर नहीं। पर्यटन बढ़े, लेकिन हिमालय को कंक्रीट के जंगल में बदलकर नहीं।

वैश्विक स्थिति भी चिंताजनक-यह संकट केवल हिमालय अथवा दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं है। एशिया के साथ-साथ यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी अत्यधिक गर्मी, बाढ़, जंगल की आग, सूखा, समुद्र-स्तर वृद्धि और चक्रवाती तूफानों के बढ़ते जोखिम का सामना कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार एशिया में 1991-2025 के दौरान तापमान वृद्धि की प्रवृत्ति 1961-1990 की अवधि की तुलना में लगभग दोगुनी रही। वर्ष 2025 में एशिया का औसत तापमान 1991-2020 के औसत से लगभग 0.96 डिग्री सेल्सियस अधिक था।इस बदलते मौसम का सबसे बड़ा असर गरीब और कमजोर समुदायों पर पड़ता है। जिनके पास मजबूत मकान, बीमा, सुरक्षित रोजगार और आपदा के बाद पुनर्वास की क्षमता नहीं है, वे जलवायु आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसीलिए पर्यावरण संरक्षण केवल वैज्ञानिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का प्रश्न भी है।

पर्यावरणविदों की चिंता को नीति में स्थान-पर्यावरणविद वर्षों से चेतावनी देते रहे हैं कि प्रकृति को केवल संसाधन समझना मानव सभ्यता के लिए खतरनाक है। आज की परिस्थितियां उनकी चिंता को और अधिक प्रासंगिक बना रही हैं।हमें तीन स्तरों पर काम करना होगा—रोकथाम, तैयारी और पुनर्निर्माण।पहला, हिमालयी क्षेत्रों में हर बड़ी परियोजना से पहले कठोर पर्यावरणीय और भूगर्भीय अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए।दूसरा, ग्लेशियरों और ग्लेशियर झीलों की लगातार निगरानी के लिए आधुनिक उपग्रह तकनीक, रडार और स्थानीय निगरानी तंत्र विकसित करना होगा।तीसरा, नेपाल और भारत को साझा नदी घाटी प्रबंधन तथा वास्तविक समय में बाढ़ संबंधी सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। चौथा, गांवों और पर्वतीय बस्तियों को स्थानीय स्तर पर आपदा-प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। पांचवां, जंगलों, आर्द्रभूमियों, नदियों और प्राकृतिक जल निकासी क्षेत्रों का संरक्षण विकास नीति का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और समय रहते कार्रवाई को आपदा के प्रभाव कम करने का महत्वपूर्ण माध्यम मानता है। नेपाल में प्रारंभिक चेतावनी और पूर्व-सक्रिय कार्रवाई के उदाहरण यह दिखाते हैं कि विज्ञान और स्थानीय समुदायों का समन्वय जीवन बचा सकता है। आज मनुष्य के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि प्रकृति को कैसे जीता जाए, बल्कि यह है कि उसके साथ कैसे जिया जाए। हिमालय हमें जल देता है, जंगल हमें जीवन देते हैं और नदियां हमारी सभ्यता को आगे बढ़ाती हैं। यदि हम इन्हीं जीवनदायी प्रणालियों को नष्ट कर देंगे तो विकास की सारी उपलब्धियां अंततः अर्थहीन हो जाएंगी।नेपाल की हालिया हिमालयी त्रासदी हमें फिर याद दिलाती है कि पर्वतों की चुप्पी को कमजोरी समझना भूल है। जब ग्लेशियर टूटता है तो उसकी आवाज केवल घाटी में नहीं गूंजती; उसका संदेश पूरी सभ्यता तक पहुंचता है भारत और नेपाल को इस चुनौती को साझा जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा। हिमालय की रक्षा किसी एक देश की सीमा में संभव नहीं है। इसी तरह जलवायु परिवर्तन का समाधान भी किसी एक राष्ट्र की क्षमता से बाहर है। वैश्विक समुदाय को कार्बन उत्सर्जन में वास्तविक कमी, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु वित्त, तकनीकी सहयोग और जलवायु-अनुकूल विकास की दिशा में गंभीर कदम उठाने होंगे।आज आवश्यकता प्रकृति को बचाने की नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ अपने संबंध को बचाने की है। क्योंकि जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता है तो सबसे पहले मौसम बदलता है, फिर नदियां बदलती हैं, फिर भूगोल बदलता है और अंततः मनुष्य का जीवन बदल जाता है। हिमालय की चेतावनी को यदि हमने अभी नहीं सुना, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे यही पूछेंगी—जब पर्वत पिघल रहे थे, नदियां उफन रही थीं और प्रकृति बार-बार चेतावनी दे रही थी, तब मनुष्य आखिर किस विकास में व्यस्त था?

राशिफल

मेष राशि-आज कामकाज के मोर्चे पर कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं। ऑफिस में बॉस के साथ बहस करना आपके प्रमोशन या छवि पर असर डाल सकता है, इसलिए अपनी बात रखते समय शब्दों पर खास ध्यान दें। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी बड़े नेता से मुलाकात का मौका मिल सकता है।

वृषभ राशि-आज आपको अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है। संतान को नौकरी के सिलसिले में दूर जाना पड़ सकता है, जिससे मन थोड़ा भावुक रहेगा। दोस्तों के साथ पार्टी या मिलना-जुलना हो सकता है और इससे मूड भी बेहतर होगा।

मिथुन राशि-आज दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने फैसले खुद लें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। कारोबार में चल रहा उतार-चढ़ाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा। पिताजी की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे गंभीरता से निभाना होगा।

कर्क राशि-आज का दिन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है। काम का दबाव बढ़ने से मन अशांत हो सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से काम लेंगे तो स्थिति संभल जाएगी। संतान की पढ़ाई को लेकर चिंता हो सकती है। ऐसे में उनके शिक्षकों या मार्गदर्शकों से बातचीत करना फायदेमंद रहेगा। मां की सेहत को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत है।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आप खर्चों को नियंत्रित करने की कोशिश करेंगे और विदेश से जुड़े किसी काम में अच्छी खबर मिल सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा, जहां नए लोगों से संपर्क बन सकता है। नौकरी में जो परेशानियां पिछले कुछ समय से चल रही थीं, उन्हें दूर करने की आपकी कोशिश सफल हो सकती है।

कन्या राशि-आज आर्थिक मामलों में राहत मिलने के मजबूत संकेत हैं। धन लाभ के साथ आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है और पैतृक संपत्ति से भी फायदा मिलने की संभावना है। भाई-बहनों का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। पुराने गिले-शिकवे छोड़कर रिश्तों को नई शुरुआत देना आपके लिए बेहतर रहेगा। हालांकि, किसी बात को लेकर मन में बेचैनी रह सकती है।

तुला राशि-आज आपका मन सेवा, परोपकार और धार्मिक कार्यों की ओर आकर्षित रहेगा। पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का मौका मिल सकता है, जिससे मन को शांति मिलेगी। घर में भी धार्मिक माहौल बन सकता है। हालांकि, वैवाहिक जीवन में किसी बात को लेकर थोड़ी खटास पैदा हो सकती है। इसे बहस बनाने के बजाय शांत बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें।

वृश्चिक राशि-आज प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला आपके सामने आ सकता है और नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। बैंक से संबंधित कोई जरूरी काम भी पूरा हो सकता है। किसी रिश्तेदार से मुलाकात लंबे समय बाद खुशी देगी। इस बीच अपने कीमती सामान और जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखें।

धनु राशि-आज का दिन सकारात्मक रहेगा और आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। हालांकि, आसपास के लोगों को अच्छी तरह परखने के बाद ही किसी पर भरोसा करें। किसी काम को लेकर उलझन हो तो पिताजी की सलाह आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। यात्रा के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काम आए।

मकर राशि-आज आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। हालांकि, पुरानी गलतियों से सीखना जरूरी है, ताकि वही स्थिति दोबारा न बने। किसी को उधार देने से फिलहाल बचें। शेयर बाजार में निवेश से लाभ की संभावना है, लेकिन जोखिम समझकर ही कदम उठाएं। जीवनसाथी के साथ घूमने या कहीं बाहर समय बिताने का मौका मिलेगा, जिससे रिश्ते में नजदीकी बढ़ेगी।

कुंभ राशि-आज आपकी जरूरतें बढ़ने के साथ खर्च भी तेजी से बढ़ सकते हैं। इसलिए पहले से बजट बनाकर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर आपने किसी को पैसा उधार दिया है तो उसकी वापसी में देरी हो सकती है, इसलिए फिलहाल उस रकम पर निर्भर रहने से बचें। अच्छी बात यह है कि आपकी समझदारी और रणनीति से विरोधियों की चाल नाकाम हो सकती है।

मीन राशि-आज आपको सबसे पहले अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। कामकाज में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आय बढ़ाने के नए रास्तों पर विचार कर सकते हैं। बचत को मजबूत करने के लिए कोई नई योजना भी बना सकते हैं। संतान से किया हुआ वादा पूरा करना आपके लिए जरूरी होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना चाहिए, क्योंकि आज ध्यान भटकने से मेहनत प्रभावित हो सकती है। अनुशासन और फोकस बनाए रखेंगे तो अच्छे परिणाम मिलेंगे।

एक नजर

इंद्रावती में बाढ़ से सैकड़ों एकड़ धान की फसल तबाह

जगदलपुर, 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। इंद्रावती नदी में आई बाढ़ से नदी किनारे के इलाकों में सैकड़ों एकड़ धान की फसल पानी में डूब गई है। खेतों में कई फीट तक पानी भर जाने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों को आशंका है कि यदि पानी लंबे समय तक खेतों में जमा रहा तो धान की फसल को भारी नुकसान हो सकता है। हालांकि अब नदी का जलस्तर धीरे- धीरे कम हो रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों बस्तर और ओडिशा में हुई भारी बारिश के बाद इंद्रावती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया था। इस सीजन में पहली बार खतरे के निशान से ऊपर पानी बह रहा था, जिससे नदी का पानी खेतों तक पहुंचने से नदी किनारे स्थित कई गांवों में धान की फसल प्रभावित हुई है। इस समय खेतों में धान की फसल बढ़वार के दौर में है, ऐसे में लंबे समय तक पानी में डूबे रहने से पौधों के सड़ने और उत्पादन प्रभावित होने की आशंका किसानों को सता रही है। हालांकि अब बारिश थम जाने से इंद्रावती नदी का जलस्तर धीरे-धीरे कम होने लगा है, इससे किसानों को कुछ राहत मिली है। जलस्तर में इसी तरह गिरावट जारी रही तो जल्द ही खेतों से पानी उतरने की संभावना है। पानी जल्दी निकलने पर फसल को बड़े नुकसान से बचाया जा सकता है। किसान अब नदी का जलस्तर और खेतों में भरे पानी पर नजर बनाए हुए हैं। उनका कहना है कि बाढ़ का पानी जल्द निकल जाता है, तो धान की फसल को बचाया जा सकता है, लेकिन यदि खेत के लंबे समय तक जलमग्न रहने पर नुकसान बढ़ सकता है। किसानों को फसल खराब होने की स्थिति में आर्थिक नुकसान की चिंता भी सताने लगी है। इंद्रावती नदी का जलस्तर रात से ही कम होने लगा था पर काफी धीमी गति से कम हो रहा है। मंगलवार दोपहर 2 बजे जलस्तर 8.72 मीटर रहा, यदि इसी गति से जलस्तर कम हुआ तो 24 घंटे का समय लगने की संभावना है। बताया गया है कि ओड़िशा में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति निर्मित हुई थी, लेकिन अब धीरे धीरे जलस्तर कम हो रहा है

जिले में अब तक 1203.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

बीजापुर, 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में मानसून के दौरान एक जून से अब तक 1203.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सभी तहसीलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक 1455.1 मिमी वर्षा बीजापुर तहसील में दर्ज की गई है। वहीं भैरमगढ़ में 1437.7 मिमी, कुटरू में 1399.0 मिमी, भोपालपटनम में 1145.8 मिमी, गंगालूर में 1003.3 मिमी और उसूर तहसील में 780.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में लगातार हो रही बारिश से अब तक औसत वर्षा का आंकड़ा 1200 मिमी के पार पहुंच गया है।

एनएमडीसी की 31.5 टन आयरन गिट्टी की चोरी का मामला, दो आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। परपा थाना क्षेत्र के कुमार मारेंगा स्थित रेलवे साइडिंग से नगरनार स्टील प्लांट के लिए परिवहन की जा रही करीब 31.500 मीट्रिक टन आयरन गिट्टी की अफरा-तफरी कर गबन करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर टिप्पर क्रमांक सीजी 12 एस 5895 और करीब 30 मीट्रिक टन आयरन गिट्टी बरामद कर जब्त की है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी अमर कुमार सिंह की कंपनी को कुमार मारेंगा रेलवे साइडिंग से क्रशिंग के बाद प्राप्त सीएलओ (आयरन गिट्टी) को टिप्पर से नगरनार स्टील प्लांट तक पहुंचाकर अनलोड करने का काम मिला है। 21 अगस्त को महादेव ट्रेडर्स का टिप्पर चालक संतोष कुशवाहा 31.500 मीट्रिक टन आयरन गिट्टी लेकर दोपहर करीब 12.10 बजे नगरनार के लिए रवाना हुआ था, लेकिन रात 8 बजे तक प्लांट नहीं पहुंचा। जांच में सामने आया कि चालक संतोष कुशवाहा ने अपने साथी आयुष झा और रंजन कुमार के साथ मिलकर अवैध लाभ के उद्देश्य से माल को निर्धारित स्थान पर पहुंचाने के बजाय अन्यत्र ले जाकर उतार दिया था। शिकायत के बाद परपा पुलिस ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पूछताछ में संतोष ने आयुष और रंजन के साथ मिलकर माल को गबन करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने संतोष की निशानदेही पर टिप्पर और आयरन गिट्टी बरामद की। मामले में आरोपी संतोष कुशवाहा (33), निवासी सीधी, मध्यप्रदेश, हाल मुकाम कुमार मारेंगा और आयुष झा (28), निवासी बैलाबाजार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मामले में फरार आरोपी रंजन कुमार की तलाश जारी है।

बारिश से आवागमन बंद होने से परेशान ग्रामीणों ने नाले पर ऊंची पुलिया निर्माण की मांग की

जगदलपुर, 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर जिले के ग्राम पंचायत गरावंडकला में गरावंडकला से हाटगुड़ा पहुंच मार्ग के बीच छोटी पुलिया को लेकर ग्रामीण एकजुट होकर नाले पर ऊंची पुलिया निर्माण की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग कुम्डाकोट से होकर नगरनार तथा सांसद निवास क्षेत्र तक पहुंचने वाला मार्ग है, लेकिन पुजारीगुड़ा से हाटगुड़ा के बीच पड़ने वाले छोटे नाले के कारण हल्की बारिश में भी आवागमन प्रभावित हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार नाले में पानी भरने के बाद मार्ग से आवाजाही बाधित हो जाती है, जिसके कारण लोगों को लंबा रास्ता तय कर दूसरे मार्ग से जाना पड़ता है। हाटगुड़ा और जगदलपुर के बीच आवागमन के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले इस मार्ग पर बार-बार ऐसी स्थिति बनने से ग्रामीणों, किसानों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि नाले पर पर्याप्त ऊंचाई वाली पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि बरसात के दिनों में भी आवागमन सुचारू बना रहे। इस समस्या को लेकर गरावंडकला के सरपंच दयाराम कश्यप ने ग्राम पंचायत के वार्डवासियों के साथ मिलकर ग्रामीणों की मांग शासन-प्रशासन तक पहुंचाई गई है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र की सुविधा और सुचारू आवागमन को देखते हुए पुलिया निर्माण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी के प्रशिक्षुओं का शानदार प्रदर्शन, 10 ने टॉप-10 में बनाई जगह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 27 अगस्त। एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भांसी के प्रशिक्षुओं ने अखिल भारतीय व्यवसायिक परीक्षा 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। कुल 10 प्रशिक्षुओं ने छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर शीर्ष दस स्थानों में जगह बनाकर अपनी प्रतिभा, मेहनत एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिचय दिया है। संस्थान के मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड के अंतिम वर्ष के प्रशिक्षुओं ने विशेष सफलता प्राप्त की, जिसमें प्रीतम दास ने प्रथम स्थान, रुद्र प्रताप दुर्गा ने द्वितीय स्थान तथा हर्ष कुमार ने सातवां स्थान प्राप्त किया।

वहीं मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड के प्रथम वर्ष में संदीप सोना ने प्रथम स्थान, मोतीराम ने छठवां स्थान तथा विशाल ने नौवां स्थान प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। डीजल मैकेनिक ट्रेड में देवकुमार साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वेल्डर ट्रेड में रिया शर्मा ने आठवां स्थान तथा इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के प्रथम वर्ष में बुधराम ने तृतीय स्थान एवं स्नेहा मंडल ने दसवां स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भांसी के प्राचार्य, सभी प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सफल प्रशिक्षुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भांसी दंतेवाड़ा जिले का एक प्रतिष्ठित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था है, जो एनएमडीसी लिमिटेड के सामाजिक नैगमिक दायित्व के सहयोग से संचालित है। संस्थान में फिटर, वेल्डर, मोटर वाहन यांत्रिकी, डीजल यांत्रिकी एवं विद्युत व्यवसाय जैसे रोजगारपरक व्यवसायों में युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संस्थान में आधुनिक स्मार्ट कक्षाएं, अत्याधुनिक कार्यशालाएं एवं बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। संस्थान के प्राचार्य कमलेश साहू ने कहा कि, हमारे प्रशिक्षुओं की यह उपलब्धि पूरे संस्था परिवार के लिए गर्व का विषय है। हमारा उद्देश्य युवाओं को बेहतर कौशल, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर एनएमडीसी लिमिटेड, बचेली परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली ने सभी सफल प्रशिक्षुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षुओं की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन, लगन तथा प्रशिक्षकों,समस्त स्टाफएवं संस्थान प्रबंधन के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को निरंतर मेहनत करते हुए अपने कौशल को और बेहतर बनाने तथा भविष्य में नई ऊंचाइयां प्राप्त करने के लिए कहा।

4 साल से पुल के अधूरे होने के कारण हल्की बारिश में ही सड़क पर जमा हो जाता है पानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 27 अगस्त। लौहनगरी बचेली के पुराना मार्केट स्थित शिव मंदिर के समीप मुख्य मार्ग पर निर्माणाधीन पुल चार वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा पड़ा है। निर्माण की धीमी रफ्तार और जल निकासी की बदहाल व्यवस्था का खामियाजा अब आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। रविवार को हुई हल्की बारिश ने ही सड़क की व्यवस्था की पोल खोल दी। पुल के आसपास मुख्य सड़क पर पानी जमा हो गया और लोगों को इसी गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा।

खनन क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण यह मार्ग दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही से व्यस्त रहता है। क्क्षक्ष में करीब 1600 भारी वाहनों के पंजीकृत होने की बात कही जाती है, जिनमें सैकड़ों 10, 12 और 14 चक्का ट्रक, डंपर और हाईवा प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरते हैं। इसके अलावा दोपहिया, चारपहिया वाहन, यात्री बसें और अन्य छोटे-बड़े वाहन भी इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं।

भारी वाहनों के दबाव वाली सड़क पर बारिश का पानी जमा होने से हालात और गंभीर हो जाते हैं। रविवार को मामूली बारिश के बाद ही सड़क पर काफी पानी भर गया, जिससे दोपहिया वाहन चालकों, राहगीरों और अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यह मार्ग केवल खनन क्षेत्र में जाने वाले भारी वाहनों के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि आसपास के ग्रामीणों, मजदूरों, ठेका श्रमिकों, स्कूली बच्चों, स्कूल स्टाफ और स्थानीय नागरिकों की रोजमर्रा की आवाजाही का भी प्रमुख रास्ता है। ऐसे में पुल का वर्षों से अधूरा पड़ा निर्माण और जल निकासी की समस्या सीधे आम जनता की परेशानी बन चुकी है।

हल्की बारिश ने खोली व्यवस्था की पोल

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब हल्की बारिश में ही सड़क जलमग्न हो रही है, तो लगातार बारिश के दौरान स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। वर्षों से निर्माणाधीन पुल के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सवाल यह भी है कि आखिर ऐसा कौन-सा कारण है जिसके चलते चार साल में भी पुल का निर्माण पूरा नहीं हो पाया?

अब जवाबदेही तय करने का समय

भारी वाहनों की लगातार आवाजाही और आम लोगों की निर्भरता को देखते हुए पुल का निर्माण जल्द से जल्द पूरा करना जरूरी है। इसके साथ ही सड़क पर पानी जमा होने से रोकने के लिए स्थायी जल निकासी व्यवस्था भी बनाई जानी चाहिए। अब बड़ा सवाल यही है–पुराना मार्केट पुल आखिर कब पूरा होगा? बारिश के पानी में कब तक डूबेगा मुख्य मार्ग? और इस बदहाल व्यवस्था की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

35 वीएलई हुए प्रशिक्षित, गांव-गांव तक डिजिटल और बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने पर जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 27 अगस्त। जिले में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र (एडीएसके) के ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) के लिए पहली बार छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 18 से 24 अगस्त तक आरसेटी बीजापुर में आयोजित प्रशिक्षण में जिले के 35 वीएलई ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल, नागरिक और बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बैंक या शहर जाने की आवश्यकता कम होगी।

उन्होंने प्रत्येक केंद्र में सीएससी कियोस्क बैंकिंग सेवा शुरू करने पर जोर दिया। इसके माध्यम से ग्रामीणों को बैंक खाता खोलने, बैंकिंग लेन-देन तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी सुविधाएं गांव में ही मिल सकेंगी।

छह दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान वीएलई को श्रमिक पंजीयन, कृषि स्टैक, महतारी वंदन योजना, डिजिटल भुगतान, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली, कियोस्क बैंकिंग, ऋण सेवाएं, पैन कार्ड, पासपोर्ट, राष्ट्रीय पेंशन योजना, सेवा सेतु और बीमा सहित विभिन्न डिजिटल एवं वित्तीय सेवाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में अग्रणी बैंक प्रबंधक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा सीएससी राज्य कार्यालय की टीम ने वीएलई को प्रशिक्षण प्रदान किया। अधिकारियों ने बताया कि सीएससी की विभिन्न सेवाओं के प्रभावी संचालन से वीएलई के लिए स्वरोजगार के नए अवसर भी विकसित होंगे। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल और बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ईद मिलादुन्नबी पर रजा यूनिटी फाउंडेशन ने 10 यूनिट रक्तदान कर पेश की मानवता की मिसाल

■ **अस्पताल पहुंचकर मरीजों में बांटे फल और बिस्किट, सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर शामिल हुए युवा**

बीजापुर 27 अगस्त। ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर रजा यूनिटी फाउंडेशन बीजापुर ने समाजसेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिला अध्यक्ष हाजी हाफिज अली के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और जरूरतमंद मरीजों की मदद के उद्देश्य से रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर के दौरान कुल 10 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। यह रक्त जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोग किया जाएगा। शिविर में युवाओं के साथ अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। रक्तदान प्रक्रिया को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम भी मौजूद रही।

इस अवसर पर रजा यूनिटी फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष हाजी हाफिज अली ने कहा कि ईद मिलादुन्नबी का पवित्र अवसर पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के बताए मानवता, सेवा, दान और जरूरतमंदों की मदद जैसे सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा नेक कार्य है, जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जिंदगी बचाने में योगदान दिया जा सकता है। समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने के लिए इस तरह के सेवा कार्य लगातार किए जाने चाहिए।

उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी लोगों, स्वास्थ्यकर्मियों और आयोजन में सहयोग करने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक एवं जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

अस्पताल में मरीजों को बांटे फल और बिस्किट : ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर यंग कमेटी के सदस्यों ने भी सेवा कार्य कर मानवता का संदेश दिया। कमेटी के सदस्य अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने भर्ती मरीजों से मुलाकात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान मरीजों को फल एवं बिस्किट वितरित किए गए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संभागीय पदाधिकारी सरफराज अंसारी, हाजी हाफिज अली, मोहसिन खान, इमरान बेग, शाहिद खान, आसिफखान, इरफान खान सहित रजा यूनिटी फाउंडेशन के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सेवा कार्यों के माध्यम से ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बीजापुर में मानवता, भाईचारे और जरूरतमंदों की सहायता का संदेश दिया गया।

साइबर ठगी से बचने जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार

जगदलपुर, 27 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत मंगलवार को मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों, चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं उपस्थित लोगों को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों और ठगी से बचने के उपायों की जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि डिजिटल युग में मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग बढ़ने के साथ साइबर अपराधी भी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही बैंक खाते, सोशल मीडिया अकाउंट और व्यक्तिगत जानकारी के लिए भारी पड़ सकती है। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने कहा कि साइबर जनजागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक और सतर्क करना है। आज मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से बैंकिंग, खरीदारी, सोशल मीडिया सहित कई जरूरी कार्य किए जा रहे हैं। साइबर अपराधी इसी डिजिटल निर्भरता का फायदा उठाकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते है।

साइबर ठगी से बचाव को लेकर पुलिस का जागरूकता अभियान, एटीएम-ओटीपी और यूपीआई फ्रॉड से किया सतर्क

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 27 अगस्त। जिले में बढ़ते साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी से नागरिकों को बचाने जिला पुलिस का साइबर जागृति अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में बीजापुर, भोपालपटनम, फरसेगढ़ और मोदकपाल क्षेत्रों में बैंक खाताधारकों, ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी दी गई।

भोपालपटनम में थाना पुलिस, जिला सहकारी बैंक के सहयोग से तथा फरसेगढ़ में थाना पुलिस, एचडीएफसी बैंक, साइबर टीम और सेंट्रल बैंक के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं मोदकपाल पुलिस ने साप्ताहिक बाजार में ग्रामीणों और बैंक खाताधारकों को साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए।

पुलिस एवं बैंक अधिकारियों ने लोगों को समझाया कि एटीएम कार्ड, पिन, सीवीवी, ओटीपी, यूपीआई पिन और बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करें। ठग बैंक अधिकारी, पुलिसकर्मी, रिश्तेदार या किसी प्रतिष्ठित संस्था का कर्मचारी बनकर फोन कर सकते हैं।

नागरिकों को अनजान एसएमएस, व्हाट्सऐप संदेश और ई-मेल में आए लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा संदिग्ध मोबाइल एप डाउनलोड नहीं करने की सलाह दी गई। फर्जी इनाम, ऑफर, केवाईसी अपडेट और बैंक खाता बंद होने जैसे संदेशों से भी सतर्क रहने कहा गया।

पुलिस ने विशेष रूप से बताया कि पैसे प्राप्त करने के लिए यूपीआई पिन डालने या क्यूआर कोड स्कैन करने की आवश्यकता नहीं होती। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर स्क्रीन साझा करने या रिमोट एक्सेस एप डाउनलोड करने से भी बचें। ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने और संबंधित बैंक को सूचना देने की अपील की गई। समय पर शिकायत करने से ठगी की राशि को रोकने की संभावना बढ़ जाती है।

गीदम व्यापारी संघ की बैठक में नए अध्यक्ष पद के लिए 4 व्यापारियों ने जताई दावेदारी

गीदम 27 अगस्त। व्यावसायिक नगरी गीदम के महत्वपूर्ण संगठन व्यापारी संघ की बैठक मंगलवार शाम गीदम नगर के सांस्कृतिक भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में नगर के सैकड़ों व्यापारी शामिल हुए । इस दौरान व्यापारी संघ गीदम के अध्यक्ष सुजीत सिंह सहित पूरी कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद अध्यक्ष सुजीत सिंह ने स्वयं कार्यकाल समाप्त होने की घोषणा व्यापारियों के समक्ष की। अध्यक्ष सुजीत सिंह के कार्यकाल की व्यापारियों द्वारा काफी सराहना की गई । उनके कार्यकाल में उन्होंने व्यापारी संघ के पंजीयन की पहल की जिसकी तैयारी भी की जा रही है । इसके साथ ही नगर के व्यापारियों का कारोबार निर्बाध रूप से चलता रहे और गीदम में बेवजह बंद जैसी स्थिति निर्मित न हो, इसे लेकर भी उन्होंने लगातार प्रयास किए। सुजीत सिंह ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि व्यापारी संघ का उपयोग किसी व्यक्ति द्वारा अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए न किया जाए। कई बार नगर में तनावपूर्ण परिस्थितियां भी सामने आईं, लेकिन ऐसे सभी मामलों से व्यापारियों और व्यापारी संघ को दूर रखते हुए व्यापारिक गतिविधियों को सुचारू बनाए रखने का उनका प्रयास व्यापारियों द्वारा याद किया जाएगा। सांस्कृतिक भवन में आयोजित इस बैठक की शुरुआत में व्यापारी संघ के सभी पूर्व अध्यक्षों को याद किया गया तथा इस वर्ष दिवंगत हुए व्यापारियों को श्रद्धांजलि भी दी गई जो यह चर्चा का विषय रहा। बैठक में सुजीत के इस पहल की व्यापारियों ने सराहना की और इसे व्यापारी संघ की एक सकारात्मक परंपरा के रूप में देखा गया । इस बैठक में नगर के प्रथम व्यापारी संघ अध्यक्ष स्व. मानकलाल सुराना एवं प्रतिष्ठित स्व. बृजमोहन गुप्ता के नाम में व नगर गौरव नम्रता जैन के नाम से किसी मार्ग, चौक अथवा वार्ड का नामकरण किए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया। इस प्रस्ताव की चर्चा और प्रशंसा पूरे नगर में हो रही है।

नए अध्यक्ष के चुनाव को लेकर बैठक में इस बार आम सहमति नहीं बन पाई। अध्यक्ष पद के लिए राजेश गुप्ता, अमित गुप्ता, रजत दहिया और रोहित बुरड़ ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। बैठक के अंत में यह सहमति बनी कि नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक सुजीत सिंह ही व्यापारी संघ के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। सांस्कृतिक भवन में आयोजित इस बैठक में कई व्यापारियों की तरफसे मांग उठी कि सुजीत फिर से व्यापारी संघ के अध्यक्ष बनाए जाए लेकिन नए अध्यक्ष पद के चयन के लिए सुजीत ने दावेदारी नहीं की। उन्होंने कहा कि किसी भी संघ में नेतृत्व करने का मौका सभी को मिलना चाहिए ।

हम संकल्प लें कि अपने शहर की मोहब्बत, भाईचार-सद्भाव की परंपरा को मजबूत करेंगे - डॉ. एस. जहीरूद्दीन

जगदलपुर, 27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर अंजुमन इस्लामिया एडहॉक कमेटी, जगदलपुर के सदर डॉ. एस. जहीरूद्दीन ने शहर जगदलपुर सहित समस्त बस्तर वासियों एवं देशवासियों को दिली मुबारकबाद पेश करते हुए उन्होने कहा कि ईद मिलादुन्नबी केवल खुशी और जश्न का अवसर नहीं, बल्कि पैगंबर–ए–इस्लाम हजरत मोहम्मद की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने का भी अवसर है। उन्होंने पूरी आवाम से अपील करते हुए कहा कि हम अपने आचरण में मोहब्बत, रहमदिली, इंसाफ, सच्चाई, ईमानदारी और इंसानियत को जगह दें तथा समाज में आपसी भाईचारे और सौहार्द को और मजबूत करें।

राखी के धागे में विश्वास अपार, बहनों के साथ विष्णु भैया की सरकार

महतारी वंदन योजना से जिले की 2 लाख 94 हजार से अधिक महिलाओं को मिली रक्षाबंधन की सौगात

- मुख्यमंत्री ने अंतरित की 31वीं किस्त, राशि पहुंचते ही मोबाइल पर गूंजी खुशियों की घंटी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 27 अगस्त। रक्षाबंधन से पहले जिले की 2 लाख 94 हजार से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में आर्थिक संबल मिला। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बालोद जिले के डौंडीलोहारा में आयोजित महतारी वंदन सम्मान समारोह से प्रदेश की 67 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में योजना की 31वीं किस्त के रूप में 631 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री द्वारा रिमोट का बटन दबाते ही हितग्राही महिलाओं के मोबाइल पर राशि अंतरण के संदेश पहुंचने लगे। इस अवसर पर रायगढ़ जिले की ई-केवाईसी पूर्ण कर चुकी 2 लाख 94 हजार 773 महिलाओं के खातों में 27 करोड़ 4 लाख 49 हजार रुपये की राशि अंतरित हुई। रक्षाबंधन से पहले मिली इस राशि से महिलाएं अपनी घरेलू जरूरतों के साथ पर्व की तैयारियां भी आत्मसम्मान के साथ कर सकेंगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माताओं-बहनों के चेहरे की मुस्कान, उनका आत्मविश्वास और उनका आशीर्वाद ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहयोग देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

राखी के पहले राशि मिली, अब किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं: जिले के ग्राम बड़ेगुंडा की मालती सिदार ने बताया कि घर निर्माण का काम चल रहा है, जिसमें काफी खर्च हो रहा है। ऐसे समय में रक्षाबंधन से पहले खाते में किस्त आने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि अब परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व खुशी से मना सकेंगी। महलोई की मंजरी गुप्ता ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षाबंधन से पहले राशि मिलने से महिलाओं को पर्व की जरूरतों के लिए किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

आर्थिक संबल से बढ़ रहा आत्मविश्वास

उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना की नियमित सहायता महिलाओं के लिए केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार भी बन रही है। योजना की राशि से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ परिवार से जुड़े छोटे-बड़े खर्चों में योगदान दे पा रही हैं। इससे उनमें निर्णय लेने का आत्मविश्वास बढ़ा है और दूसरों पर आर्थिक निर्भरता कम हुई है। रक्षाबंधन से पहले मिली 31वीं किस्त ने जिले की हजारों महिलाओं की खुशियों को और बढ़ाया है। उनके लिए यह राशि केवल खाते में पहुंची आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मान, भरोसे और आत्मनिर्भरता का संबल है।

एक नजर

महज 8 वर्ष के बाल्य काल से के.आर. सिन्हा नियमित कर रहे हैं श्रीरामचरितमानस पाठ

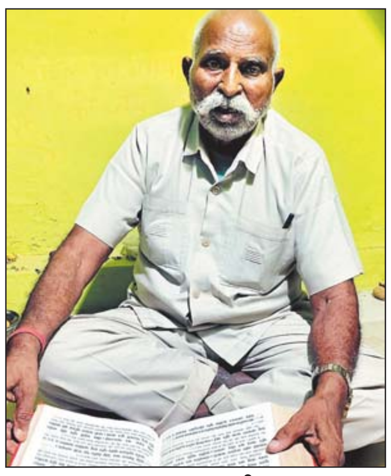

छुरा, 27 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सावन का पावन महीना आध्यात्मिक साधना, ध्यान और संयम के लिए अनुकूल माना जाता है और नीलकंठ भगवान भोलेनाथ को अत्यधिक पसंद है। भगवान शिव को श्रीराम नाम और उनका सुमिरन अतिप्रिय है। श्रीरामचरितमानस की रचना ही भगवान शिव और माता पार्वती के संवाद के रूप में हुई है। राम नाम सुमिरन एवं स्मरण से देवाधिदेव महादेव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार श्रीरामचरितमानस का नियमित पाठ करना बेहद शुभ, सुख समृद्धिकारक होता है। श्रीराघवेंद्र मानव संघ संरक्षक, से.नि.व्याख्याता, मानस मर्मज्ञ के.आर. सिन्हा महज 8 वर्ष के बाल्य काल से अनवरत श्रावणी रामचरितमानस पाठ करते आ रहे हैं। 77 वर्षीय के.आर. सिन्हा आज भी सुरीले कण्ठ से पूरी ऊर्जा के साथ भगवान शिव एवं श्री राम जी की स्तुति गाते हैं। सिन्हा ने बताया कि जब हम छोटे थे तो दो नदी को पार कर पढ़ने के लिए बरोंडा बाजार जाते थे, रास्ते में शिव मंदिर पड़ता था। हम सभी मित्रगण बगनई नदी से रोज जल लेकर भगवान शिव को अर्पित करते, त्रिशुल में बंदन लगाते तब शाला जाते थे। एक दिन विद्यालय से लौटते समय भगवान शिव के त्रिशुल को घर ले आए और उस पर बंदन लगा रहे थे। तभी पिताजी के पूछने पर पूरी बात विस्तार से बताए। बचपन से ही भगवान शिव के प्रति अगाध श्रद्धा को देखकर पिताजी ने एक श्रीरामचरितमानस ग्रंथ भेंट किया। गांव की गुड़ी चौक में हम सभी साथी मिलकर टूटे-फूटे शब्दों में एक-एक अक्षर को जोड़कर श्रीरामचरितमानस का नियमित पाठ किया करते थे। आसपास की माताएं, बहनें भी रामायण सुनने एकत्रित होती थी। सिन्हा बताते हैं कि आज जब हम दोहा-चौपाई को द्रुतगति से वाद्य यंत्र के साथ, संगीत के साथ सस्वर गायन करते हैं उसमें वो आनंद नहीं मिलता जब हम तुतलाती भाषा के साथ हिजगा जोड़कर पढ़ते थे। रामकथासुंदरकरतारी.....। उस समय से प्रतिवर्ष पूरे सावन भर श्रीरामचरितमानस पाठ सपरिवार करते आ रहे हैं। सावन मास के अंतिम दिवस शिवलिंग पर रुद्राक्ष की माला, बेलपत्र, धतुरा आदि से श्रृंगार कर जलाभिषेक करते हैं। सिन्हा ने कहा कि श्रीरामचरितमानस का हमेशा पठन-पाठन किया जाना चाहिए। यह केवल धार्मिक रचना नहीं बल्कि मानव जीवन को जीने का सही राह दिखाने वाला एक मार्गदर्शक, भक्ति व ज्ञान का अनूठा संगम है। यह ग्रंथ माता-पिता का सम्मान, गुरु सेवा और भाईचारे का पाठ पढ़ाता है। निष्काम भक्ति और मानवता का संदेश देता है तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

स्वामित्व योजना से जिले के 19,917 ग्रामीणों को मिला संपत्ति का अधिकार अभिलेख

ड्रोन सर्वे से ग्रामीण संपत्ति का हो रहा है सटीक अभिलेखीकरण, 884 ग्रामों में कराया गया सर्वे

- अधिकार अभिलेख मिलने से संपत्ति पर मालिकाना हक हुआ मजबूत, ग्रामीणों में दिख रहा अभूतपूर्व उत्साह

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 27 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का विधिवत अधिकार दिलाने के उद्देश्य से रायगढ़ जिले में स्वामित्व योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के माध्यम से वर्षों से आबादी भूमि पर अपने मकान और परिसंपत्तियां बनाकर रह रहे ग्रामीणों को अब उनकी संपत्ति का विधिवत प्रमाणिक अभिलेख मिल रहा है। जिले में अब तक 19 हजार 917 हितग्राहियों को उनके मकानों एवं परिसंपत्तियों का स्वामित्व प्रमाण-पत्र अर्थात अधिकार अभिलेख वितरित किया जा चुका है। अधिकार अभिलेख हाथ में आने के साथ ग्रामीणों में अपनी संपत्ति को लेकर सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है तथा योजना को लेकर गांवों में अभूतपूर्व उत्साह भी देखा जा रहा है।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिले के 884 ग्रामों की आबादी भूमि का ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराया गया है। इनमें से भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा 774 ग्रामों के नक्शे एवं अधिकार अभिलेख जिला प्रशासन को प्राप्त हो चुके हैं। इसके पश्चात 384 ग्रामों में ग्रामीणों को अधिकार अभिलेख वितरित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। यह पूरी प्रक्रिया ग्रामीणों की संपत्तियों का वैज्ञानिक, पारदर्शी और सटीक अभिलेखीकरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

क्या है स्वामित्व योजना

स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि में स्थित मकानों एवं अन्य परिसंपत्तियों का जीआईएस आधारित सर्वेक्षण तथा ड्रोन से भू-मापन किया जाता है। सर्वेक्षण के आधार पर प्रत्येक संपत्ति की स्थिति, सीमा और क्षेत्रफल का निर्धारण कर स्वामित्व प्रमाण-पत्र यानी अधिकार अभिलेख तैयार किया जाता है। ग्रामीण आबादी के सर्वेक्षण का कार्य राजस्व विभाग एवं भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस व्यवस्था से गांवों में स्थित निजी और सार्वजनिक संपत्तियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार होगा। संपत्ति की सीमा और क्षेत्रफल स्पष्ट होने से भविष्य में निजी संपत्ति से जुड़े विवादों में कमी आने की उम्मीद है। वहीं रास्ते, ग्राम पंचायत की खुली भूमि, नाले, तालाब और सरोवर जैसी सार्वजनिक उपयोग की संपत्तियों की सीमाएं भी स्पष्ट होंगी, जिससे इनके संरक्षण और रखरखाव में ग्राम पंचायतों को सुविधा मिलेगी।

ग्रामीणों के लिए अधिकार अभिलेख बना उपयोगी दस्तावेज

अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का प्रमाणिक और व्यवस्थित रिकॉर्ड प्राप्त हो रहा है। संपत्ति का स्वामित्व प्रमाण-पत्र उपलब्ध होने से आवश्यकता पड़ने पर मकान अथवा संपत्ति के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया भी आसान हो सकेगी। ड्रोन तकनीक से किए जा रहे सर्वेक्षण के कारण संपत्तियों का मापन और अभिलेख निर्माण अपेक्षाकृत कम समय में अधिक सटीकता के साथ किया जा रहा है। इसके साथ ही संपत्ति रजिस्टर तैयार होने से ग्राम पंचायतों को अपने क्षेत्र में संपत्ति धारकों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होगी। इससे स्थानीय स्तर पर विकास योजनाएं तैयार करने, सार्वजनिक सुविधाओं की बेहतर योजना बनाने और ग्राम विकास की प्राथमिकताएं तय करने में भी मदद मिलेगी। स्वामित्व योजना ग्रामीणों के लिए केवल संपत्ति का दस्तावेज प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके वर्षों के वास्तविक निवास और संपत्ति पर अधिकार को एक प्रमाणिक पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यही वजह है कि जब अधिकार अभिलेख ग्रामीणों के हाथों में पहुंच रहा है, तो उनके चेहरे पर अपनी संपत्ति के सुरक्षित और विधिवत दर्ज होने का संतोष दिखाई दे रहा है।

जिले में अब तक तहसीलवार कापू में 2,218, खरसिया में 701, घरघोड़ा में 6,468, छाल में 1,282, तमनार में 1,570, धरमजयगढ़ में 1,004, पुसौर में 2,702, मुकडेगा में 1,117, रायगढ़ में 1,159 तथा लैलूंगा में 1,696 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए जा चुके हैं। इस तरह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति संबंधी अधिकारों को मजबूत करने के साथ-साथ भविष्य के लिए एक व्यवस्थित संपत्ति अभिलेख तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

समाचार संक्षेप

तीन बार जलभराव, शासकीय होम्योपैथी औषधालय की व्यवस्था पर उठे सवाल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 27 अगस्त। नगर में लगातार हो रही बारिश के बीच शासकीय होम्योपैथी औषधालय छुरा में जलभराव की समस्या गंभीर रूप लेती दिखाई दे रही है। इस वर्ष बारिश के दौरान अब तक तीन बार औषधालय परिसर में पानी भरने की स्थिति सामने आ चुकी है। इससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल के कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के बाद औषधालय परिसर में पानी जमा हो जाने से मरीजों को आने-जाने में दिक्कत होती है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए जलभराव परेशानी का कारण बन रहा है। लगातार पानी जमा होने से परिसर की स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए हैं। इस वर्ष तीन बार पानी भरने के बाद अब लोगों ने संबंधित विभाग से समस्या का स्थायी निराकरण कराने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि शासकीय औषधालय स्वयं स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र है, ऐसे में यहां जलभराव की स्थिति चिंता का विषय है। बारिश के पानी की निकासी के लिए उचित नाली, जल निकासी व्यवस्था और परिसर के आवश्यक सुधार की जरूरत बताई जा रही है।

उत्साह, उमंग और धार्मिक सद्भाव के साथ मनाई गई ईद मिलादुन्नबी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 27 अगस्त। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाने वाला पवित्र पर्व जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी बुधवार को छुरा नगर में मुस्लिम समाज द्वारा पूरे उत्साह, उमंग और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया।सुबह से ही नगर का माहौल नात-ए-पाक, धार्मिक नारों और भाई-चारे की भावना से सराबोर नजर आया।मुस्लिम समाज के लोग एवं बच्चे नए कपड़े पहनकर हाथों में आकर्षक परचम लेकर सुन्नी रजा मस्जिद पहुंचे।दुआ के बाद बड़ी संख्या में समाज के लोग सुबह करीब 9बजे सुन्नी रजा मस्जिद से नगर भ्रमण के लिए जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग हाथों में तिरंगा लेकर और विभिन्न रंगों के परचम लेकर शामिल हुए।जुलूस के दौरान नात शरीफ पढ़ी गई और पैगंबर साहब की शिक्षाओं एवं आपसी प्रेम, सद्भाव और भाई-चारे का संदेश दिया गया। तिरंगे के साथ रंग-बिरंगे परचमों से सजा जुलूस नगर की सड़कों से निकला तो लोगों में भी उत्साह देखने को मिला।सुन्नी रजा मस्जिद से देश में आपसी भाई-चारे के लिये दुआ कर नगर भ्रमण के लिये रवाना होकर नूरानी वार्ड, रजा चौक, स्वर्ण जयंती चौक बजरंग चौक, आमापारा और शिव चौक होते हुए वापस सुन्नी रजा मस्जिद पहुंकर।इमाम गुलाम मुस्तफा द्वारा परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। इसके बाद देश में अमन-चैन, शांति, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआ की गई।जुलूस का नगर में जगह-जगह लोगों द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान सामाजिक सौहार्द और भाई-चारे की खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली।पूरे आयोजन में अनुशासन और शांतिपूर्ण माहौल बना रहा।ईद मिलादुन्नबी को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

सड़क हादसे में घायलों को मिलेगा डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज

पीएम राहत योजना के तहत हर दुर्घटना प्रकरण टीएमएस पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 27 अगस्त। जिले मेंपीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिल्पा भगत ने जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को सड़क दुर्घटना के प्रत्येक प्रकरण को टीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए।

डिप्टी कलेक्टर ने बताया कि पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल पात्र व्यक्ति को दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों तक अधिकतम 1 लाख 50 हजार रुपये तक का कैशलेस उपचार सरकारी एवं चिन्हित निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता है। दुर्घटना के समय पीड़ित, राहगीर अथवा कोई अन्य व्यक्ति 112 पर कॉल कर एम्बुलेंस एवं निकटतम नामित अस्पताल की जानकारी प्राप्त कर सकता है। डिप्टी कलेक्टर ने बताया कि टीएमएस पोर्टल के माध्यम से अस्पतालों द्वारा पीड़ित का पंजीयन एवं उपचार संबंधी क्लेम ऑनलाइन दर्ज किया जाता है। यह प्रक्रिया ई-डीएआर पोर्टल से भी जुड़ी है। योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना पीड़ित आर्थिक कठिनाई के कारण जीवनरक्षक उपचार से वंचित न हो और उसे समय पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जिले में योजना का अनिवार्य रूप से उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से रायगढ़ की माताओं को मिल रहा आर्थिक संबल

प्रथम जीवित संतान पर 5 हजार और द्वितीय संतान बालिका होने पर 6 हजार रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, जिले में अब तक 27049 महिलाएं लाभान्वित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 27 अगस्त। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान बेहतर पोषण, स्वास्थ्य देखभाल तथा मातृत्व संबंधी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ रायगढ़ जिले की महिलाओं को लगातार मिल रहा है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र महिलाओं को इसका लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2023-24 से जिले में अब तक 27 हजार 49 महिलाओं को योजना का लाभ मिल चुका है। साथ ही वर्तमान में 18 अगस्त 2026 तक 4432 महिलाओं की नई एन्ट्री की गई है।

प्रथम संतान पर 5 हजार, दूसरी संतान बालिका होने पर 6 हजार रुपये: प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रथम जीवित संतान के लिए कुल 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसमें प्रथम किस्त के रूप में 3 हजार रुपये तथा द्वितीय किस्त के रूप में 2 हजार रुपये का प्रावधान है। वहीं द्वितीय संतान बालिका होने पर एकमुश्त 6 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इस आर्थिक सहायता का उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने तथा प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात स्वास्थ्य देखभाल के लिए आर्थिक सहयोग देना है।

पात्रता के लिए जरूरी दस्तावेज : योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता से संबंधित निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है। इनमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का राशन कार्ड, गरीबी रेखा से नीचे का राशन कार्ड, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का कार्ड, ई-श्रम कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, किसान सम्मान निधि प्रमाण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र तथा आय प्रमाण संबंधी दस्तावेज शामिल हैं।

पहली और दूसरी किस्त के लिए अलग-अलग प्रक्रिया : प्रथम जीवित संतान के लिए पहली किस्त प्राप्त करने हेतु आधार कार्ड अथवा आधार संख्या, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, माता एवं शिशु सुरक्षा कार्ड, अंतिम माहवारी की तिथि, प्रथम प्रसव पूर्व जांच की तिथि, आधार से जुड़ा एवं राष्ट्रीय भुगतान निगम से संबद्ध बैंक खाता तथा लाभार्थी का चेहरा पहचान सत्यापन आवश्यक है। दूसरी किस्त के लिए बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र एवं माता एवं शिशु सुरक्षा कार्ड के अनुसार 14 सप्ताह तक का टीकाकरण विवरण आवश्यक है।

इन महिलाओं को मिल सकता है योजना का लाभ

योजना के तहत निर्धारित पात्रता के अनुसार ऐसी महिलाओं को लाभ दिया जाता है जो निर्धारित श्रेणियों में आती हैं। इनमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाएं, 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाली महिलाएं, गरीबी रेखा से नीचे राशन कार्ड धारक, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की लाभार्थी, ई-श्रम कार्ड धारक, किसान सम्मान निधि की लाभार्थी महिला किसान, मनरेगा जॉब कार्ड धारक, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के राशन कार्ड धारक तथा 8 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाली महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा गर्भवती एवं धात्री आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका तथा आशा कार्यकर्ता भी निर्धारित पात्रता के अनुसार योजना का लाभ ले सकती हैं।

4,432 महिलाओं की हुई नई एंट्री, खरसिया में सर्वाधिक 607

महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2026-27 में 18 अगस्त 2026 तक रायगढ़ जिले में कुल 4,432 महिलाओं की योजना के तहत नई एंट्री की जा चुकी है। जिले के विभिन्न परियोजना क्षेत्रों में महिलाओं को योजना से जोड़ने का कार्य लगातार जारी है। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार धरमजयगढ़ में 528, घरघोड़ा में 342, रायगढ़ शहरी में 500, कापू में 378, खरसिया में 607, लैलूंगा में 288, मुकडेगा में 237, पुसौर में 495, रायगढ़ ग्रामीण में 600 तथा तमनार में 457 महिलाओं की एंट्री की गई है। इन आंकड़ों में खरसिया 607 महिलाओं की एंट्री के साथ सबसे आगे है। इसके बाद रायगढ़ ग्रामीण में 600, धरमजयगढ़ में 528, रायगढ़ शहरी में 500 और पुसौर में 495 महिलाओं की एंट्री हुई है। इसी तरह तमनार में 457, कापू में 378, घरघोड़ा में 342, लैलूंगा में 288 और मुकडेगा में 237 महिलाओं को योजना से जोड़ा गया है। जिसमें प्रथम संतान वाली 3324 एवं द्वितीय संतान वाली 1108 महिला शामिल है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से मिल रही जानकारी

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा योजना की जानकारी पात्र महिलाओं तक पहुंचाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं संबंधित मैदानी अमले के माध्यम से जागरूकता एवं पंजीयन का कार्य किया जा रहा है। विभाग का उद्देश्य है कि पात्र गर्भवती एवं धात्री महिलाएं योजना से वंचित न रहें और उन्हें निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीयन कराकर आर्थिक सहायता का लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता न केवल महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद कर रही है, बल्कि मां और बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ाव तथा सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी के लिए महिलाएं महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में या अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्र में संपर्क कर लाभ प्राप्त कर सकती है।

एक नजर

खेलो इंडिया संवाद:खेल की बात पीएम के साथ कार्यक्रम' आज

बलौदाबाजार,27 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा 'भाई भारत' के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त 2026 को ÷खेलो इंडिया संवाद: खेल की बात पीएम के साथ कार्यक्रम का राष्ट्रव्यापी आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री जी द्वारा देश भर के युवाओं को वर्चुअत माध्यम से संबोधित किया जाएगा। यह कार्यक्रम जिले के महाविद्यालयों में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य युवाओं को स्थानीय खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों और नीति-निर्माताओं के साथ एक साझा मंच पर जोड़कर भारत के खेल इकोसिस्टम पर संवाद स्थापित करना है।कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से निर्धारित महाविद्यालय मे प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं सम्बंधित महाविद्यालय को जरुरी निर्देश दिया गया है।

नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन की त्रासदी पर मुख्यमंत्री साय ने जताया गहरा दु:ख

रायपुर, 27 अगस्त। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नेपाल में भीषण बाढ़ एवं भूस्खलन से हुई जनहानि पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत लोगों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा की इस कठिन घड़ी में पूरा भारत एकजुटता के साथ नेपाल के पीड़ितों के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान पशुपतिनाथ से दिवंगत आत्माओं की शांति, शोकसंतप्त परिवारों को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करने तथा लापता लोगों के सकुशल होने की प्रार्थना की है।

नेपाल में भीषण बाढ़ एवं भूस्खलन की त्रासदी हृदय विदारक : वित्त मंत्री

रायपुर, 27 अगस्त। नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन से उत्पन्न त्रासदी पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन से हुई जनहानि अत्यंत हृदय विदारक है। इस कठिन समय में भारत नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नेपाल सरकार को आश्वस्त किया है कि संकट की इस घड़ी में भारत हरसंभव मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्री चौधरी ने ईश्वर से आपदा में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना भी की।

राज्य शासन ने की खेल अलंकरणों के लिए चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी

रायपुर, 27 अगस्त। राज्य शासन द्वारा खेल अलंकरणों के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों की सूची जारी कर दी गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल 82 लोगों को पुरस्कार और सम्मान दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए 5 दलों के कुल 43 खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को इन खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को राज्य अलंकरण प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य और उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

खाद्य विभाग की टीम ने दुकानों की जांच की,नमूने लिए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 27 अगस्त। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम द्वारा गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता हेतु सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। विगत एक सप्ताह मे कुल 21 नमूने जिसमे 7 विधिक व 14 सर्विलांस नमूने लिए गये तथा 107 किलोग्राम खराब खाद्य सामाग्री को जनस्वास्थ्य को होने वाले संभावित खतरे के आधार पर मौके पर नष्ट कराया गया है।

मंगलवार को खाद्य सुरक्षा दल द्वारा कलकत्ता स्वीट्स गांधी चौक बलोदाबाजार, रूपड़ा मिष्ठान भंडार बलोदाबाजार, जय माँ दुर्गा स्वीट्स जय स्तम्भ चौक सिमगा, बालाजी जोधपुरी स्वीट्स तिगड्डा चौक मिमगा व अमित स्वीट्म सिमगा का निरिक्षण कर बेसन लड्डू, पेड़ा, मिल्क केक, मलाई पेड़ा, खोया, गुलाब जामुन, शक्कर पारा, मेव, मेथी मटरी व बेमन पापड़ी का नमूना जॉच हेतु लेकर राज्य खाद्य परिक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। रिपोर्ट में मिलावट या अमानकता पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कड़ी वैधानिक व दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। रूपड़ा मिष्ठान भंडार में हेड कवर, ग्लब्स का उपयोग नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया।

खाद्य एवम औषधी प्रशाशन विभाग ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे त्योहारों के दौरान केवल उच्च गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों के अनुरूप ही खाद्य पदार्थों का निर्माण व विक्रय करें। बिना खाद्य पंजीयन या लाइसेंस के मंचालित होने वाले अस्थायी स्टॉलों और शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण हाट-बाजारों की ओर होने वाली संदिग्ध मिठाइयों की सप्लाई चैन पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने पंडरीपानी में एसबीआई शाखा का किया शुभारंभ,वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

रायपुर, 27 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड के पंडरीपानी और आसपास के करीब 60 गांवों के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पंडरीपानी में भारतीय स्टेट बैंक की नवीन शाखा एवं भवन का विधिवत शुभारंभ किया। इस शाखा के प्रारंभ होने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को अब बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने घर के नजदीक ही ऋण, बचत, बीमा तथा विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नवीन शाखा के शुभारंभ पर क्षेत्रवासियों और भारतीय स्टेट बैंक की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सुविधाओं का गांवों तक विस्तार वित्तीय समावेशन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैंक की शाखा खुलने से केवल आर्थिक लेन-देन की सुविधा ही नहीं बढ़ती, बल्कि किसानों, छोटे व्यापारियों, युवाओं और स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए आर्थिक प्रगति के नए अवसर भी तैयार होते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडरीपानी और आसपास के ग्रामीणों को

अब तक अपने बैंकिंग कार्यों के लिए लगभग पांच किलोमीटर दूर फरसाबहार जाना पड़ता था। पंडरीपानी में एसबीआई की शाखा शुरू होने से बोखी, सहसपुर, भगोरा, बनगांव, सीमाबाड़ी, मुंडाडीह और सरईटोली सहित आसपास के करीब 60 गांवों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे ग्रामीणों के समय और संसाधनों की बचत होने के साथ ही बैंकिंग सेवाओं तक उनकी पहुंच और आसान होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का प्रयास है कि गांवों तक आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचे और समाज के अंतिम व्यक्ति को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ा जाए। बैंक शाखा के माध्यम से किसानों को कृषि ऋण और किसान क्रेडिट कार्ड, छोटे व्यापारियों एवं उद्यमियों को व्यवसाय के लिए ऋण तथा आम नागरिकों को गृह ऋण, वाहन ऋण और शिक्षा ऋण जैसी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शाखा के औपचारिक शुभारंभ से पहले ही लगभग 200 लोगों ने यहां अपने बैंक खाते खुलवा लिए हैं, जो क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं की आवश्यकता और ग्रामीणों के उत्साह को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर पंडरीपानी सहित आसपास के क्षेत्रों में अधोसंरचना और खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने पंडरीपानी में मिनी स्टेडियम तथा पंडरीपानी बाजारपारा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही अंबाकछार और सीमाबाड़ी में भी मिनी स्टेडियम बनाए जाएंगे। इन सुविधाओं के विकसित होने से ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अभ्यास और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने हाथीबेड़ से कोतबा गांधी चौक तक लगभग सात किलोमीटर सड़क निर्माण की भी घोषणा की। इसके अलावा मेन रोड सिसरिंगा में 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड, हाईस्कूल मैदान में चेंजिंग रूम तथा हाईस्कूल प्रांगण के जीर्णोद्धार की घोषणा की। उन्होंने मूंगी दरबार में पुलिया निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, शिक्षा, खेल और सामुदायिक अधोसंरचना का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता बेहतर करने और विकास को गति देने के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न बैंकिंग एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र और बीमा दावा राशि के चेक प्रदान किए। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने के साथ ही बिजली के खर्च में बचत और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत नौ हितग्राहियों को 50 हजार रुपये से लेकर एक लाख 90 हजार रुपये तक के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत दो हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुद्रा और विश्वकर्मा जैसी योजनाएं छोटे उद्यमियों, कारीगरों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को आर्थिक संबल देकर उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान कर रही हैं।

ईद-मिलाद-उन-नबी पर निकाला गया जुलूस, अमन-चैन और भाईचारे का दिया संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 27 अगस्त। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर सिमगा में सुबह 10 बजे जामा मस्जिद से जूलूसे मोहमदी मुस्लिम समाज द्वारा निकाली गया ईद-मिलाद-उन-नबी का पर्व पर जूलूस के दौरान लोगों द्वारा बच्चों एवं जायरीनों के लिए खाने पीने और शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में समाज के लोग गौरी खान,नूर अली, सलीम, बशीर, अउब मेमन शामिल हुए। लोगों ने नात-ए-पाक पढ़ते हुए पैगंबर साहब के बताए प्रेम, शांति, सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया। जगह-जगह जुलूस का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब ने मानवता, दया, समानता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। सभी लोगों से उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और समाज में शांति बनाए रखने की अपील की गई। इस दौरान प्रशासन एवं पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के स्थापना दिवस पर होगा उच्चस्तरीय संवाद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 27 अगस्त। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए वंचित शोषित सामाजिक संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष मयूर हथेल दिल्ली प्रवास पर रहे।

आयोग के स्थापना दिवस कार्यक्रम के पश्चात मयूर हथेल ने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य डॉ. पार्थ विश्वास से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के विभिन्न सामाजिक एवं वंचित वर्गों की वास्तविक परिस्थितियों, उनकी समस्याओं तथा सामाजिक-आर्थिक उत्थान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं गंभीर चर्चा की।

बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में सफाई कर्मचारियों सहित वंचित एवं शोषित वर्गों के अधिकारों, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों को प्रमुखता से रखा गया। साथ ही यह आग्रह किया गया कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक सुनिश्चित रूप से पहुंचे और जमीनी स्तर पर इसकी प्रभावी निगरानी हो।

मयूर हथेल ने राष्ट्रीय आयोगों के पदाधिकारियों को छत्तीसगढ़ प्रवास पर आने का आमंत्रण भी दिया, ताकि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यक्ष भ्रमण एवं जमीनी निरीक्षण के माध्यम से वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। इससे संबंधित समस्याओं के समाधान के साथ-साथ पात्र लोगों को शासन की लाभकारी योजनाओं से जोड़कर उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में ठोस पहल संभव हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा केवल योजनाओं के निर्माण से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर निगरानी से सुनिश्चित होगी। छत्तीसगढ़ के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, अधिकार और विकास का लाभ पहुंचाने के लिए सामाजिक संगठनों और संवैधानिक संस्थाओं के बीच समन्वय आवश्यक है।

रायपुर में टाटा पावर को बिजली वितरण लाइसेंस देने का विरोध

रायपुर, 27 अगस्त। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड द्वारा रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद एवं अभनपुर तहसील क्षेत्रों में विद्युत वितरण लाइसेंस प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष प्रस्तुत आवेदन का ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन ने कड़ा विरोध किया है। फेडरेशन ने कहा है कि वह आयोग के समक्ष इस आवेदन के खिलाफ विस्तृत आपत्ति दाखिल करेगा और बिजली वितरण के निजीकरण के किसी भी प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा। फेडरेशन के चेयरमैन इंजी. शैलेन्द्र दुबे एवं संरक्षक पी.एन. सिंह ने कहा कि बिजली वितरण एक आवश्यक सार्वजनिक सेवा है। इसे केवल आर्थिक रूप से लाभकारी क्षेत्रों तक सीमित व्यावसायिक गतिविधि बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ के सभी बिजली इंजीनियरों, कर्मचारियों एवं उपभोक्ताओं से एकजुट रहने तथा निजीकरण के खिलाफ व्यापक जन आंदोलन की तैयारी करने का आह्वान किया। फेडरेशन का कहना है कि रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद एवं अभनपुर जैसे आर्थिक रूप से आकर्षक और अधिक राजस्व वाले क्षेत्रों में निजी वितरण लाइसेंस दिए जाने से मौजूदा सार्वजनिक वितरण कंपनी सीएसपीडीसीएल की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष असर भविष्य में पूरे राज्य के बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका है। फेडरेशन ने क्रॉस-सब्सिडी व्यवस्था कमजोर होने, लाभकारी उपभोक्ताओं के चयन, सार्वजनिक वितरण ढांचे के उपयोग, सीएसपीडीसीएल पर वित्तीय प्रभाव, उपभोक्ता टैरिफ सभी वर्गों को बिजली आपूर्ति के दायित्व तथा बिजली कर्मचारियों एवं इंजीनियरों के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता जताई है।फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान विद्युत वितरण नेटवर्क का निर्माण दशकों से जनता के धन और सार्वजनिक निवेश से हुआ है। ऐसे में किसी निजी संस्था को सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का चुनिंदा उपयोग करने की अनुमति देने से पहले पूर्ण पारदर्शिता, उचित लागत वसूली और जनहित की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्युत वितरण का निजीकरण केवल बिजली कर्मचारियों का मुद्दा नहीं है। इसका सीधा प्रभाव उपभोक्ताओं, किसानों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और राज्य की सार्वजनिक विद्युत वितरण व्यवस्था की दीर्घकालीन स्थिरता पर पड़ेगा। निजी लाइसेंस से लाभकारी क्षेत्रों में निजी कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़ने पर सार्वजनिक कंपनी पर सामाजिक दायित्वों का भार भी बढ़ सकता है। फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग से आग्रह किया है कि पूरे मामले पर व्यापक जनहित के दृष्टिकोण से विचार करते हुए टाटा पावर के आवेदन को वर्तमान स्वरूप में अस्वीकार किया जाए। फेडरेशन ने स्पष्ट किया कि वह छत्तीसगढ़ के बिजली इंजीनियरों एवं कर्मचारियों के साथ समन्वय कर उनके संघर्ष को पूर्ण संगठनात्मक समर्थन देगा। साथ ही राज्य के सभी बिजली कर्मचारियों से सतर्क और एकजुट रहने का आह्वान किया गया है। फेडरेशन ने कहा कि बिजली वितरण के निजीकरण की दिशा में कोई भी कदम आगे बढ़ाया गया तो उसके खिलाफ मजबूत, लोकतांत्रिक एवं सतत जन आंदोलन चलाया जाएगा।

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी पर नगर में निकला जुलूस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 27 अगस्त। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर आज मुस्लिम समाज एवं जामा मस्जिद कमेटी डोंगरगढ़ के तत्वावधान में जुलूस-ए-मुहम्मदी का आयोजन किया गया। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों, नौजवानों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जुलूस के दौरान लोगों ने पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा की विलादत की खुशी का इज़हार करते हुए अमन, मोहब्बत और भाईचारे का पैग़ाम दिया।

जुलूस-ए-मुहम्मदी के पश्चात जामा मस्जिद डोंगरगढ़ में बच्चों के लिए आयोजित नातिया प्रोग्राम के पुरस्कार वितरण समारोह एवं जामा मस्जिद के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायिका श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल जी, अध्यक्षता जनाब नवाज़ खान जी, प्रमुख अतिथि जनाब रमन डोंगरे जी सहित नगर के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नातिया प्रोग्राम में बच्चों ने नात-ए-पाक पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर नवनिर्मित भवन का उद्घाटन भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायिका श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल जी ने जामा मस्जिद परिसर में शेड निर्माण के लिए 7 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की। इस घोषणा पर जामा मस्जिद कमेटी एवं मुस्लिम समाज ने उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद देते हुए समाज के बच्चों को शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक सद्भाव के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

वक्ताओं ने कहा कि पैग़म्बरे इस्लाम की ज़िंदगी पूरी इंसानियत के लिए अमन, मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत का पैग़ाम है, जिसे अपने जीवन में अपनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर जामा मस्जिद कमेटी डोंगरगढ़ ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस विभाग, समाज के सदस्यों एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया और जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की।

भानुप्रतापपुर के छात्रों का केटीयू में ज्ञानवर्धक शैक्षणिक भ्रमण

रायपुर 27 अगस्त। भानुप्रतापपुर अवस्थित महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय के बीए (जनसंचार) के छात्रों ने मंगलवार को रायपुर अवस्थित कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का ज्ञानवर्धक शैक्षणिक भ्रमण कियाइ इस दौरान उन्होंने केटीयू की कम्युनिटी रेडियो, टीवी स्टूडियो, कंप्यूटर लैब, निर्माणाधीन एआई एवं मीडिया शोध लैब, पुस्तकालय अकादमिक भवनों,आदि से काफी प्रेरित और प्रभावित हुए। भानुप्रतापपुर के छात्र यहां के कुलपति प्रोफेसर डॉ मनोज दयाल, कुलसचिव श्री सुनील शर्मा, सहायक कुल सचिव श्री देव सिंह पाटिल सहित विभाग अध्यक्षों, शिक्षकों एवं छात्रों से मिलकर अभिप्रेरित तथा अनुप्राणित हुए। छात्रों ने बताया कि पत्रकारिता

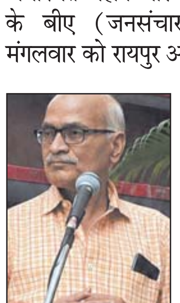

विश्वविद्यालय का भ्रमण करने से उन्हें कई तकनीकी बारीकियों के सम्बन्ध में विस्तृत एवं व्यापक जानकारी इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण से प्राप्त हुई है ।इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ मनोज दयाल ने अपने कुलपति कक्ष में छात्रों को पत्रकारिता एवं जनसंचार के गूढ़ मंत्रों से अवगत कराया ।कुलपति प्रो. दयाल ने छात्रों को नियमित समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टीवी, डिजिटल मीडिया आदि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए उत्साहित किया। कुलपति ने उन्हें शोध से पूर्व अनौपचारिक रूप से प्रत्यक्ष अवलोकन विधि द्वारा विभिन्न मीडिया का कम्पेरेटिव कंटेंट एनालिसिस करते रहने के लिए शिक्षित किया। महाविद्यालय के एक दर्जन छात्रों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर काफी प्रसन्नता जाहिर की ।इन छात्रों ने विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन में जाकर जनसंचार विभाग, पत्रकारिता विभाग, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग ,विज्ञापन एवं जनसंचार विभाग समेत विभिन्न विभागों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं, अध्यक्षों एवं शिक्षकों से मिलकर अपने ज्ञान व अनुभवों को साझा किया।उन्हें यहां संचालित किये जा रहे विभिन्न सृजनात्मक क्लबों,केंद्रों एवं समूहों के बारे में जानकार इसे अनुकरणीय बताया। महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के शिक्षक श्री दम थाली के मार्गदर्शन में उनका यह भ्रमण काफी सुखद अनुभव देने वाला रहा ।इस दौरान छात्रों ने कम्युनिटी रेडियो संवाद 98.2 में अपना संदेश रिकॉर्ड किया और विश्वविद्यालय का भ्रमण की इजाजत देने के लिए कुलपति सहित संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट किया।

राखी पर बहनों की तरक्की की मिसाल बनीं लखपति दीदियां

रायपुर 27 अगस्त। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत बिलासपुर के विकासखण्ड बिल्हा के ग्राम अकलतरी की श्जय भारतश् महिला स्वसहायता समूह की 'लखपति दीदियां' आज स्वरोजगार की नई मिसाल पेश कर रही हैं। समूह की महिलाओं द्वारा ग्राम अकलतरी में संचालित बिलासा पशु आहार संयंत्र में पशु एवं पक्षी आहार का निर्माण किया जा रहा है। आधुनिक मशीनों की सहायता से तैयार किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण आहार से जहां पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर पशु आहार उपलब्ध हो रहा है, वहीं महिलाओं को रोजगार और नियमित आय का नया जरिया मिला है।

समूह की महिलाओं ने पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से आगे बढ़ते हुए पशु एवं पक्षी आहार निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा है। संयंत्र में उत्पादन को व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए फीड ग्राइंडर एवं मिक्सर मशीन, फीड पैलेट मशीन तथा फीड क्रम्बल मशीन स्थापित की गई हैं। इन मशीनों के माध्यम से विभिन्न प्रक्रियाओं को सुगम बनाकर पशु एवं पक्षी आहार तैयार किया जा रहा है।

'बिहान' के माध्यम से महिला स्वसहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में 'जय भारत' महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने पशु आहार निर्माण को आजीविका का माध्यम बनाया है। समूह की महिलाएं संयंत्र के संचालन, पशु आहार निर्माण, पैकेजिंग और अन्य कार्यों में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रही हैं।

बिलासा पशु आहार संयंत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा रहा है। पशुपालन एवं कुक्कुट पालन से जुड़े ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही पशु एवं पक्षी आहार मिलने से समय की बचत और परिवहन में सुविधा हो रही है।

जल जीवन मिशन से बदली कटंगी की तस्वीर

रायपुर, 27 अगस्त। जल जीवन मिशन के माध्यम से खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड छुईखदान के ग्राम कटंगी में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण परिवारों के दैनिक जीवन में सुविधाएं बढ़ी हैं। गांव में जलापूर्ति की बेहतर व्यवस्था होने से ग्रामीणों को अब घर के पास ही नल से पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ग्राम कटंगी में 100 किलोलीटर क्षमता के उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण कर पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया गया है। इसके माध्यम से करीब दो हजार की आबादी वाले गांव के 436 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। इससे ग्रामीण परिवारों को पेयजल के लिए दूर स्थित जलस्रोतों पर निर्भर रहने की जरूरत कम हुई है और घर पर ही पानी की सुविधा उपलब्ध हो रही है।

एक नजर

स्कूल सफाई कर्मचारियों का सरकार को अल्टीमेटम, 2 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल

रायपुर, 27 अगस्त। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अंशकालीन सफाई कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन के खिलाफआंदोलन का ऐलान किया है। स्कूल सफाई कर्मचारी संघ ने सरकार को 30 सितंबर तक मांगें पूरी करने का अल्टीमेटम दिया है। मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेशभर के 43 हजार से अधिक सफाई कर्मचारी 2 अक्टूबर से काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। संघ के मुताबिक प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पिछले करीब डेढ़ दशक से 43,301 अंशकालीन सफाई कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारी लंबे समय से अंशकालीन सफाई कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने और कलेक्टर दर पर सम्मानजनक मानदेय देने की मांग कर रहे हैं। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से बेहद कम मानदेय पर काम करने के बावजूद उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। बढ़ती महंगाई के बीच मौजूदा मानदेय में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों ने सरकार से उन्हें अंशकालीन के बजाय पूर्णकालिक स्कूल सफाई कर्मचारी का दर्जा देने और कलेक्टर दर पर मानदेय निर्धारित करने की मांग की है। स्कूल सफाई कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक सितंबर के प्रथम सप्ताह में राजधानी रायपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में मांगों और प्रस्तावित आंदोलन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की जाएगी। संघ ने स्पष्ट किया है कि 30 सितंबर तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर 2 अक्टूबर से प्रदेशभर में काम ठप किया जाएगा। इसके बाद कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। इससे प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है।

निकाय चुनाव के लिए बीजेपी ने नियुक्त किए प्रभारी और सह-प्रभारी

रायपुर, 27 अगस्त। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। बीजेपी में नगरीय निकाय चुनाव के लिए विभिन्न निकायों में प्रभारी और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। जारी सूची के अनुसार प्रदेश के अलग-अलग जिलों के 15 नगरीय निकायों के लिए प्रभारी और सह-प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। इनमें नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत स्तर के निकाय शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी आदेश में संबंधित निकायों में चुनावी समन्वय, संगठनात्मक गतिविधियों और चुनावी तैयारियों को गति देने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रभारी और सह-प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन के साथ समन्वय कर चुनावी रणनीति को आगे बढ़ाएंगे। बीजेपी की इस नियुक्ति को आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी ने स्थानीय स्तर पर संगठन को सक्रिय करने और चुनावी गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने की दिशा में यह कदम उठाया है।

अवैध शराब की शिकायत के बाद पार्षद कार्यालय में तोड़फोड़, महिला गिरफ्तार

रायपुर, 27 अगस्त। रायपुर में भाजपा पार्षद कैलाश बेहरा के दफ्तर में तोड़फोड़ और उनके भाई से गाली-गलौज के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि अवैध शराब बिक्री की शिकायत के एक दिन बाद महिला पार्षद के कार्यालय पहुंची और गाली-गलौज करने लगी। इसके बाद उसने पत्थर मारकर कार्यालय के दरवाजे का कांच तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, घटना 25 अगस्त की शाम करीब 4 बजे पंडरी के झंडा चौक स्थित पार्षद कार्यालय के बाहर हुई। मनीष बेहरा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह कार्यालय के बाहर खड़े थे। इसी दौरान गीता बाई नाम की महिला वहां पहुंची और उनके भाई कैलाश बेहरा को गाली देने लगी। आरोप है कि महिला ने इसके बाद पार्षद कार्यालय पर पत्थर फेंका, जिससे दरवाजे में लगा कांच टूट गया। शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 448/2026 दर्ज किया। महिला को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की गई। इस घटना से एक दिन पहले भाजपा पार्षद कैलाश बेहरा समेत अन्य पार्षदों ने अवैध शराब बिक्री को लेकर सिविल लाइन थाने में शिकायत की थी। पार्षद की ओर से अवैध शराब बिक्री का वीडियो भी पुलिस को दिया गया था। शिकायत में बताया गया था कि देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के नीचे सुबह करीब 6 बजे से अवैध शराब बिकने की बात सामने आई है। पार्षदों ने शराब बिक्री पर कार्रवाई की मांग की थी।

निधन

महेंद्र कुमार चौहान

रायपुर, 27 अगस्त। मकान नंबर 47 मीडिया सिटी निवासी महेंद्र कुमार चौहान का कल शाम आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज गुरुवार को दोपहर 12 बजे कोटा श्मशान घाट में किया जायेगा। वे मीडिया सिटी परिवार के सदस्य अजीत परमार के जीजाजी थे।

मंदिर में मूर्तियां तोड़ीं इलाके में भारी तनाव

रायपुर, 27 अगस्त। रायपुर के गुढ़ियारी थोक मार्केट स्थित पड़ाव इलाके में गुरुवार सुबह मंदिर परिसर में धार्मिक प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त मिलने से हड़कंप मच गया। भगवान शिव, हनुमान जी और साईं बाबा की प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाए जाने की जानकारी सामने आई है।

सुबह स्थानीय लोगों ने प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त देखा, जिसके बाद मौके पर भीड़ जुटने लगी। सूचना मिलते ही बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी पहुंच गए और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ घटना की जांच कर रही है। आरोपी की पहचान के लिए आसपास लग सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह और प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति की पहचान स्पष्ट नहीं हुई है।

रक्षाबंधन पर केन्द्रीय जेल रायपुर में मुलाकात की व्यवस्था

रायपुर 27 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर केन्द्रीय जेल रायपुर में बंदियों को राखी बांधने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जेल प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार 28 अगस्त 2026 को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक केवल बहनों को ही बंदियों से मिलने और राखी बांधने के लिए जेल के भीतर प्रवेश की अनुमति होगी।

जेल में प्रवेश और मुलाकात के लिए दिशा-निर्देश जारी : मुलाकात के लिए आने वाली बहनों के पास वैध पहचान-पत्र होना आवश्यक है। गहन जांच के बाद ही प्रवेश

मिलेगा। सुरक्षा कारणों से एक बंदी से मिलने और राखी बांधने के लिए अधिकतम 3 बहनों को ही प्रवेश दिया जाएगा। बहनों को प्रति बंदी केवल 100 ग्राम मिठाई ले जाने की छूट होगी, जिसकी पहले जांच की जाएगी। मिठाई के अलावा अन्य कोई भी खाद्य पदार्थ पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मोबाइल, पर्स, नकदी और किसी भी प्रकार का कीमती सामान जेल के भीतर ले जाना सख्त मना है। जेल परिसर में इन्हें जमा कराने की कोई व्यवस्था नहीं होगी, इसलिए परिजनों को सलाह दी गई है कि वे ये सामान साथ न लाएं।

सुरक्षा के दृष्टिगत जेल प्रवेश से पहले महिला कर्मचारियों द्वारा तीन स्तरों पर तलाशी ली जा सकती है। केन्द्रीय जेल अधीक्षक ने सभी परिजनों से व्यवस्था बनाए रखने और तलाशी प्रक्रिया में जेल प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

युवा कांग्रेस का चुनाव 'चूहा दौड़' और गुटबाजी का खुला प्रदर्शन : भाजयुमो

रायपुर, 27 अगस्त। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने युवा कांग्रेस के चुनावों में मचे घमासान और अंतर्कलह पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि कांग्रेस के डीएनए में ही गुटबाजी और कुर्सी की लड़ाई बसी हुई है, जो अब युवा कांग्रेस के स्तर पर भी साफ नजर आ रही है। टिकरिहा ने कहा कि यूथ कांग्रेस के चुनाव महज एक दिखावा हैं, दरअसल यह कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के बीच चल रही वर्चस्व की लड़ाई है, जिसमें युवा कार्यकर्ताओं को मोहरा बनाया जा रहा है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष टिकरिहा ने कहा कि हालिया घटनाक्रम में विधायक देवेंद्र यादव ने कथित तौर पर अपने ही 'आका' पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के उम्मीदवार के सामने अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया है। इससे साबित होता है कि कांग्रेस में वफादारी का कोई मोल नहीं है। यहाँ सिर्फव्यक्तिगत हितों और गुटबाजी की ही ट्रेनिंग मिलती है। टिकरिहा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस पार्टी को देश के युवाओं के लिए भविष्य की योजनाएँ बनानी चाहिए, वह आपस में ही 'चूहे-बिल्ली' का खेल खेल रही है। यह चुनाव नहीं, बल्कि कांग्रेस की 'चूहा दौड़' है, जहाँ हर कोई एक-दूसरे को गिराकर आगे बढ़ने की कोशिश में लगा है। अंतर्कलह और अपनों से ही गद्दारी कांग्रेस की पुरानी आदत रही है, और यह यूथ कांग्रेस के चुनावों में खुलकर सामने आ रही है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष टिकरिहा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता देख रही है कि कैसे कांग्रेस पार्टी आपस में ही लड़ रही है! युवाओं का भविष्य दाँव पर लगाकर कांग्रेस के तथाकथित बड़े नेता केवल अपनी साख बचाने और अपने गुट को मजबूत करने में लगे हैं। अब जो पार्टी अपने ही युवा संगठन को एकजुट नहीं रख सकती, वह राज्य या देश के युवाओं को क्या दिशा देगी? टिकरिहा ने छत्तीसगढ़ के युवाओं से अपील की है कि वे कांग्रेस की इस विभाजनकारी और स्वार्थी राजनीति को समझें और ऐसी पार्टी से दूर रहें जो केवल सत्ता के लिए संघर्ष करती है। भाजयुमो युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे किसी भी संगठन का पर्दाफाश करती रहेगी जो युवाओं के नाम पर केवल राजनीति करता है।

रायपुर स्टेशन पर प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन से होगा कचरे का बेहतर प्रबंधन

रायपुर, 27 अगस्त। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। यात्रियों द्वारा उपयोग के बाद छोड़ी जाने वाली प्लास्टिक बोतलों के पुनर्चक्रण एवं उचित निपटान के लिए रायपुर रेलवे स्टेशन पर प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन लगाने की योजना बनाई गई है। यात्रियों को यह सुविधा शीघ्र ही उपलब्ध होने लगेगी।

रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्मों पर कुल 06 प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन मशीनों के माध्यम से यात्रियों द्वारा उपयोग के बाद फेंकी जाने वाली प्लास्टिक बोतलों को मौके पर ही क्रश किया जा सकेगा। क्रश की गई प्लास्टिक सामग्री का पुनर्चक्रण किया जाएगा। इससे स्टेशन परिसर में प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन में मदद मिलेगी तथा प्लास्टिक बोतलों को इधर-उधर फेंके जाने की समस्या को कम किया जा सकेगा। रायपुर रेल मंडल द्वारा इस सुविधा का विस्तार अन्य प्रमुख स्टेशनों तक करने की भी योजना है। आगामी चरण में दुर्ग, भाटापारा, तिल्दा-नेवरा एवं भिलाई पावर हाउस स्टेशनों पर भी प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन स्थापित करने की योजना है।

प्लास्टिक बोतलों के संग्रहण, क्रशिंग एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था से प्लास्टिक अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करने में सहायता मिलेगी। इससे स्टेशनों की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ पर्यावरण पर प्लास्टिक कचरे के दुष्प्रभाव को कम करने में भी योगदान मिलेगा। रायपुर रेल मंडल द्वारा यात्रियों से भी अपील की गई है कि वे प्लास्टिक बोतलों एवं अन्य कचरे को रेलवे स्टेशनों पर निर्धारित स्थानों पर ही डालें तथा उपलब्ध क्रशर मशीनों का उपयोग कर स्वच्छ रेलवे स्टेशन और स्वच्छ पर्यावरण बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। यह पहल भारतीय रेलवे द्वारा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और मजबूती प्रदान करेगी।

कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा: विकास मरकाम

रायपुर, 27 अगस्त। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जनजाति विरोधी राजनीतिक चरित्र पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया, जबकि भाजपा ने आदिवासियों को वास्तविक सशक्तीकरण, सम्मान और शासन में सर्वोच्च नेतृत्व प्रदान किया है। मरकाम ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में भाजपा की संवेदनशील सरकार में आदिवासी समाज का गौरव पूरे देश में बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष मरकाम ने ?शीर्ष नेतृत्व और प्रतिनिधित्व की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में स्वयं आदिवासी समाज के सपूत कमान सम्भाल रहे हैं। साथ ही मंत्रिमण्डल में दो सशक्त कैबिनेट मंत्रियों सहित विभिन्न निगमों, मंडलों और आयोगों में अजजा वर्ग को भरपूर प्रतिनिधित्व देकर नीति-निर्माण के केंद्र में स्थापित किया गया है। इसी प्रकार बस्तर विकास प्राधिकरण और सरगुजा विकास प्राधिकरण पूरी सक्रियता के साथ दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के विस्तार में जुटे हैं। इन प्राधिकरणों के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तेजी से विकास कार्य स्वीकृत हो रहे हैं।

आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का उल्लेख कर मरकाम ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण दर में ऐतिहासिक वृद्धि कर संग्राहकों को सीधा आर्थिक लाभ पहुँचाया जा रहा है। लघु वनोपजों के मूल्य संवर्धन, वन-धन केंद्रों के विस्तार, चरण पादुका योजना और परम्परागत औषधीय ज्ञान के संरक्षण से आदिवासी भाई-बहनों की आर्थिकी मजबूत हो रही है। वनांचलों में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, उन्नत स्वास्थ्य शिविरों और स्थानीय स्वास्थ्य परम्पराओं को संस्थागत संरक्षण देकर अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएँ पहुँचाई जा रही हैं।

मरकाम ने कहा कि कांग्रेस के पास आदिवासियों के उत्थान के नाम पर केवल खोखले वादे थे, जबकि भाजपा सरकार धरातल पर ठोस योजनाएँ लागू कर अजजा वर्ग का सर्वतोमुखी विकास सुनिश्चित कर रही है। आदिवासी समाज अब कांग्रेस के दोहरे चरित्र को भली-भाँति समझ चुका है और पूरी मजबूती के साथ विकास के पथ पर अग्रसर है।

जैन दादाबाड़ी में रक्षा पर्व पर महापूजन

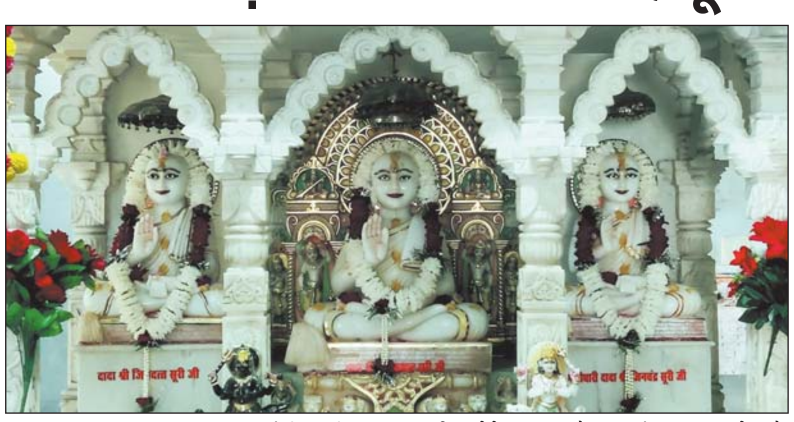

रायपुर, 27 अगस्त। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित चमत्कारी जिनकुशल सुरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में जारी 21 दिवसीय इक्तिसा जाप में रक्षाबंधन के अवसर पर श्रद्धालु दादागुरुदेव को राखी बांधकर समर्पण भाव प्रकट करेंगे।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि राखी पूनम के अवसर पर दादागुरुदेव का महापूजन चमत्कारी जैन दादाबाड़ी में प्रातः 9 . 30 बजे से होगा। पूजा के दौरान बच्चे व श्रद्धालु दादागुरुदेव को समर्पण भाव से राखी बांधेंगे व स्वयं के कलाई पर दादागुरुदेव के आशीर्वाद स्वरूप रक्षा पोटली बांधेंगे। 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप में प्रतिदिन 11 गुरुभक्त परिवारों द्वारा समर्पित भावों से जाप किया जाता है। प्रतिदिन सभी श्रद्धालुओं को प्रभावना दी जाती है। कोचर ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों में प्रभावना हमारी संस्कृति है लेकिन प्रलोभन विकृति है, इनसे बचना चाहिए। 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप के पूर्णाहुति पूजन के अवसर पर 30 अगस्त रविवार को रात्रि 8 बजे से प्रसिद्ध भजन सम्राट राहुल झाबक द्वारा गुरुभक्ति रखी गई है।

पारंपरिक बाजारों को 'स्मार्ट' बनाने कैट ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर, 27 अगस्त। कैट के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर शहर के पारंपरिक एवं प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों को आधुनिक, सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं व्यापार-अनुकूल 'स्मार्ट बाजार' के रूप में विकसित करने को लेकर आज ष्ट्रढ्ढञ्ज के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी के नेतृत्व में रायपुर की महापौर मीनल चौबे से महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में शहर के बाजारों की मूलभूत सुविधाओं एवं व्यापारियों तथा आम नागरिकों से जुड़े विभिन्न

विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

बैठक में कैट की ओर से पूर्व में प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेखित प्रमुख विषयों पर चर्चा करते हुए रायपुर के बाजारों में बेहतर सड़क एवं जल निकासी व्यवस्था, सुव्यवस्थित यातायात एवं पार्किंग, अग्निशमन व्यवस्था, ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों के माध्यम से सुरक्षा, बिजली की खुली तारों को व्यवस्थित करने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, हाईमास्ट लाइट तथा पुरुष एवं महिला शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

महापौर मीनल चौबे ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के पारंपरिक बाजारों, स्थानीय व्यापार तथा छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को सशक्त बनाने और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को आगे बढ़ाने पर निरंतर जोर दिया है। इसी सोच के अनुरूप हमारे पारंपरिक बाजारों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए उनकी पहचान, विरासत और व्यापारिक महत्व को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

प्रतिरोध | निजी कंपनियों को लाइसेंस देने और आईपीओ लाकर सरकारी बिजली कंपनी में हिस्सेदारी बेचने के निर्णय का कड़ा विरोध

सरकार बिजली कंपनी बेचना चाह रही : बैज

रायपुर, 27 अगस्त। छत्तीसगढ़ में बिजली सप्लाई के लिए निजी कंपनियों को लाइसेंस देने और आईपीओ लाकर सरकारी बिजली कंपनी में हिस्सेदारी बेचने के सरकार के निर्णय का कड़ा विरोध करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि बिजली का वितरण अतिआवश्यक सार्वजनिक सेवा है, इस पर पूरा और प्रत्यक्ष नियंत्रण सरकार का ही होना चाहिए, सीधे तौर पर सरकार के द्वारा ही विद्युत वितरण प्रणाली का संचालित होना चाहिए लेकिय यह सरकार निजी कंपनियों को मुनाफा पहुंचाने के लिए ही वितरण के मौजूदा नियमों में बदलाव किया जा रहा है, लाइसेंसिंग प्रणाली लागू करना अनुचित है निजी कंपनियों का फोकस केवल अपने मुनाफे पर होगा न कि जन सुविधा पर। पूर्ववर्ती रमन सिंह की सरकार ने पहले सरकारी सरकारी विभाग को सरकारी कंपनी में परिवर्तित किया और अब भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार बिजली सप्लाई का लाइसेंस और आईपीओ बेचने जा रही हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि

साय सरकार प्रदेश के स्वामित्व वाली सरकारी कंपनी को शेयर मार्केट में लिस्टेड करके शेयर के माध्यम से उसको निजीकरण की ओर ले जाने का प्रयास कर रही है। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को आमजन एवं संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 200 करोड़ रूपए तक के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर बॉन्ड जारी कर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिंग) किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विद्युत कंपनिया आत्मनिर्भर है, तथा बिजली बनाने का पूरा संसाधन राज्य के पास उपलब्ध है। राज्य में बनने वाली बिजली को वितरण का काम पावर ट्रांसमिशन कंपनी के पास है। सरकार इसका शेयर निकालकर उद्योगपतियो को पिछले दरवाजे से बेचने का प्रयास कर रही है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि राज्य विद्युत वितरण कंपनी को अडानी को सौंपने के उद्देश्य से इसका शेयर निकाला जा रहा है। सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण एक सार्वजनिक कंपनी का आईपीओ निकाला जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महंगी बिजली करने के बाद तथा स्मार्ट मीटर में बेतहाशा वसूली और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफयोजना बंद कर आम आदमी को लूटने के बाद भी सरकार विद्युत कंपनी को आत्मनिर्भर नहीं बना पाई। अब विद्युत कंपनी को ही बेचने का षड़यंत्र किया जा रहा है। सार्वजनिक इकाईयों को बेचने की भाजपा की पुरानी फितरत है। मोदी सरकार ने भी देश की 27 से अधिक सार्वजनिक उपक्रमों को बेचा था। राज्य की भाजपा सरकार अब प्रदेश की रीढ़ की हड्डी विद्युत कंपनी को ही बेचने का षड़यंत्र कर रही है।

शिक्षा मंत्री अपनी नाकामी का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ना बंद करें : कांग्रेस

रायपुर, 27 अगस्त। शिक्षा मंत्री अपने नाकामी का ठीकरा कांग्रेस पे फोड़ना बंद कर दे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यदि बच्चो को सही शिक्षा व्यवस्था नहीं दे पा रहे है, स्कूल खुले 3 महीने हो गये है और स्कूल में किताबे नहीं पहुंच रही है, शिक्षक नहीं है, शाला भवनों का मरम्मत नहीं करवा पा रहे है, बालिकाओं के स्कूल में टायलेट नहीं बना पा रहे है तो यह शिक्षा मंत्री और सरकार की नाकामी है और शिक्षा मंत्री अपनी विफलता पर कांग्रेस पर आरोप लगा रहे है कि कांग्रेस आंदोलन करवा रही है। मासूम बच्चे छोटे-छोटे जेन अल्फा के लोग सरकार के खिलाफसड़को पर उतरे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बच्चों की मांग पर ध्यान देने और समाधान करने के बजाय शिक्षा मंत्री बच्चों के आंदोलन को राजनैतिक बता रहे है। शिक्षा मंत्री को यह समझना होगा कि यह बच्चे किसी राजनैतिक दल के नहीं है, छत्तीसगढ़ का भविष्य है। बच्चे स्कूल में शिक्षको की कमी दूर करने तथा मूलभूत सुविधा चाह रहे है। स्कूल के भवन की मरम्मत चाह रहे है। शिक्षा मंत्री वह भी दूर नहीं कर पा रहे और बच्चों की नीयत पर ही सवाल खड़ा कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में शिक्षक नहीं होने के कारण, भवन नहीं होने के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बच्चे शिक्षकों की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर है। धमतरी के बारना स्कूल में पांच विषय के शिक्षक नहीं होने के कारण छात्राओं ने स्कूल में ताला लगा कर आंदोलन कर रही है। बालोद के झिरिया टोला में भी बच्चे शिक्षक की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके है। धमधा में स्कूल भवन की मांग को लेकर बच्चे विरोध कर रहे।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26